दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-01 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 04 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

लोकसभा में विपक्ष का जोरदार हंगामा, नहीं चल सका प्रश्नकाल

नई दिल्ली,(ए.)। संसद के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में भारी हंगामा देखने को मिला। पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक (मेमोयर) को लेकर जारी विवाद के चलते विपक्षी दलों ने सदन की कार्यवाही बाधित कर दी। हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका और लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।सुबह जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसद अपनी सीटों से उठकर वेल में आ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष नरवणे की किताब से जुड़े मुद्दे पर सरकार से जवाब की मांग कर रहा था। हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल की को चलने देने की अपील की। हालांकि, उनकी अपील का कार्यवाही आगे बढ़ाने की कोशिश की और बार-बार विपक्ष पर कोई असर नहीं पड़ा और शोर-शराबा लगातार विपक्षी सदस्यों से अपनी-अपनी सीटों पर लौटने और सदन जारी रहा।

संसद में बवाल पर बड़ा एक्शन, स्पीकर पर कागज फेंकने वाले 8 विपक्षी सांसद पूरे सत्र के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली,(ए.)। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष के भारी हंगामे और अनुशासनहीनता के चलते स्पीकर ओम बिरला ने सख्त कदम उठाया है। सदन में स्पीकर की कुर्सी (आसन) की ओर कागज के टुकड़े उछालने और अभद्र व्यवहार करने के आरोप में विपक्ष के 8 सांसदों को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है। जोरदार हंगामे के कारण आज भी सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी और इसे कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 3 बजे कार्यवाही शुरू होते ही इन सांसदों के निलंबन का प्रस्ताव पेश किया था, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।सदन में हंगामे की शुरुआत तब हुई जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान चीन का मुद्दा उठाना शुरू किया। राहुल गांधी अपनी बात रखने पर अड़े रहे, लेकिन सत्ता पक्ष के विरोध और शोरगुल के कारण उनकी स्पीच पूरी नहीं हो सकी। स्थिति तब और बिगड़ गई जब नारेबाजी करते हुए विपक्षी सांसद वेल में आ गए और उन्होंने स्पीकर के आसन की ओर कागज के टुकड़े फाड़कर उछाल दिए। इस व्यवधान के कारण सदन की कार्यवाही को दिन में कई बार रोकना पड़ा।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान आप सांसद संजय सिंह, कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला, दिग्विजय सिंह और अन्य।

युमनाम खेमचंद सिंह होंगे मणिपुर के 13वें सीएम भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए

नई दिल्ली (ए.)। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री होंगे। मंगलवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। अब राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। भाजपा सूत्रों के मुताबिक कुकी समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है। इस दौरान मणिपुर के विधायक दल का नेता चुनने के लिए नियुक्त सेंट्रल ऑब्जर्वर तरुण चुग, संबित पात्रा और मणिपुर के पूर्व सीएम बीरेन सिंह भी मौजूद रहे। मणिपुर से एनडीए के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। वहीं अन्य विधायक सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी पहुंचे। 9 फरवरी 2025 को बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया।

मध्य प्रदेश में बढ़ा सर्द हवाओं का असर, भोपाल सहित 20 जिलों में बारिश का अलर्ट, घना कोहरा भी छाएगा

भोपाल, (निप्र.) । पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के असर से मध्य प्रदेश में मौसम लगातार करवट ले रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों में ओले और बारिश का सिलसिला बना हुआ है। आज मंगलवार को भोपाल, ग्वालियर, रीवा समेत 20 जिलों में मावठा गिरने की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है।मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान हालात पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बने हुए हैं। 5 फरवरी को पश्चिम-उत्तरी भारत में एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिसका असर मध्य प्रदेश में भी दिखाई देगा। इसके चलते 10 फरवरी तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना बनी रहेगी। इसके साथ ही जेट स्ट्रीम हवाओं का प्रभाव भी देखा जा रहा है। सोमवार को उत्तर भारत के ऊपर 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 240 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवाएं चलीं, जिससे प्रदेश में सर्द हवाओं का असर रहा। हालांकि, रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई हैसोमवार को भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर और जबलपुर संभाग के 20 से अधिक जिलों में बादल छाए रहे और कई जगहों पर बारिश हुई। टीकमगढ़, आगर-मालवा और अशोकनगर में सुबह के समय ही बारिश दर्ज की गई, जबकि कुछ जिलों में शाम को मौसम बदला।

प्रदेश में ओला-पाला से प्रभावित फसलों का सर्वे कर किसानों को तत्काल उपलब्ध कराई जाए सहायता राशि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश के विभिन्न अंचलों में होंगी कृषि कैबिनेट राज्य सरकार सरसों को भावांतर योजना में शामिल करने पर कर रही है विचार

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जहां-जहां भी ओला-पाला से फसलें प्रभावित हुई हैं, उन जिलों के कलेक्टर्स, सर्वे कराकर तत्काल सहायता राशि किसानों को उपलब्ध कराएं। किसानों के सभी प्रकार के हित सुनिश्चित करने और उनकी आय दोगुना करने के उद्देश्य से ही वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषक कल्याण कृषि वर्ष में मालवा, निमाड़, चंबल और विंध्य अंचलों में कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। कृषि के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन जैसी गतिविधियां अपनाने के लिए कृषकों को प्रेरित किया जा रहा है। हाल ही में प्रदेश में पहली बार राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव आयोजित किया गया। पुष्प उत्पादन और देश-विदेश में फूलों की बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश में नरवाई प्रबंधन और पराली जलाने पर नियंत्रण के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। भावांतर योजना में सरसों और अन्य तिलहन फसलों को भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। मूंग के स्थान पर उड़द को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बनाई जा रही है। इसके लिए किसानों को प्रेरित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में राज्य स्तरीय एमपी यूथ गेम्स-2026 के भव्य आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित आयोजनों में देशज खेलों को भी शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा मेडिकल कॉलेज में 750 बेड की क्षमता वृद्धि की गई है। प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज की क्षमता को भी बढ़ाया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में ईडी का बड़ा एक्शन, कोलकाता-दुर्गापुर समेत 9 ठिकानों पर छापामारी; इस मामले में हुई कार्रवाई

कोलकाता(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी से जुड़े मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार 3 फरवरी 2026 की सुबह एक बार फिर बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। केंद्रीय जांच एजेंसी की टीमों ने कोलकाता, दुर्गापुर, आसनसोल और बर्द्धमान समेत राज्य के कुल नौ ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई का उद्देश्य कोयला तस्करी से अर्जित अवैध धन के लेन-देन की कड़ियों को खंगालना है। ईडी को आशंका है कि तस्करी से जुटाई गई रकम को हवाला नेटवर्क के माध्यम से इधर-उधर किया गया है। इसी संदेह के आधार पर एजेंसी डिजिटल रिकॉर्ड और अहम दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।कोलकाता के अलावा दुर्गापुर में भी ईडी की टीमें सक्रिय हैं। मंगलवार सुबह करीब छह बजे से सेपको टाउनशिप में एक बालू कारोबारी के आवास पर छापेमारी की जा रही है। वहीं, सिटी सेंटर इलाके में आंबेडकर सरणी स्थित एक संदिग्ध मकान की तलाशी ली जा रही है। पांडवेश्वर और कांकसा में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के समीप स्थित परिसरों पर भी जांच एजेंसी ने दबिश दी है।

मप्र सरकार फिर लेगी 5200 करोड़ का कर्ज

2026 में दूसरी बार ऋण, चालू वित्तीय वर्ष में अब तक ले चुकी हैं इतना 57,100

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश सरकार एक बार फिर 5200 करोड़ का कर्ज लेगी। साल 2026 में सरकार दूसरी बार ऋण लेने जा रही है। जबकि चालू वित्तीय वर्ष में 57,100 करोड़ का कर्ज लिया जा चुका हैं। अब यह लोन 62,300 करोड़ रुपए का हो गया है। एमपी सरकार साल 2026 में दूसरी बार कर्ज ले रही हैं। 7 फरवरी को 5200 करोड़ की राशि मिलेगी। जिसकी पहली किस्त 1200 करोड़ रुपए 7 साल के लिए ब्याज समेत भुगतान की तारीख 4 फरवरी 2033 तारीख की है। 2000 करोड़ का कर्ज 17 साल के लिए लिया जा रहा है, जो 4 फरवरी 2043 तक के लिए है।वहीं तीसरी किस्त 2000 करोड़ रुपए 22 साल की अवधि में ब्याज के साथ चुकता किया जाएगा। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 57,100 करोड़ का कर्ज ले चुकी है।

ओवरब्रिज से नीचे कार पर गिरा हाइवा, 2 की मौत, 4 घायल

जबलपुर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के जबलपुर से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। ह॥-45 जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे पर शाहपुरा थाना क्षेत्र के कैथरा/शाहपुरा इलाके में ओवरब्रिज से तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया और सर्विस रोड पर चल रही एक कार पर जा गिरा।इस दर्दनाक हादसे में हाइवा चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार एक बाइक सवार भी इसकी चपेट में आ गया और उसकी भी जान चली गई।

दिल्ली-एनसीआर रेड जोन में; फिर बिगड़ी हवा, कोहरे और गलन से बढ़ी परेशानी

नोएडा (आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को मिली महज एक दिन की राहत के बाद वायु गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर रूप से बिगड़ गई है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) रेड जोन में पहुंच गया है, जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और यूपीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया गया है, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 334, चांदनी चौक में 323, नेहरू नगर में 329, ओखला फेज-2 में 310, पटपड़गंज में 301 और आर.के.पुरम में 300 दर्ज किया गया। पंजाबी बाग में एक्यूआई 298, रोहिणी में 281 और अशोक विहार में 287 रहा। वहीं आयानगर में एक्यूआई 149 और पूसा (आईएमडी) में 187 दर्ज किया गया, जो अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति दर्शाता है। गाजियाबाद के हालात भी चिंताजनक बने हुए हैं। इंदिरापुरम में एक्यूआई 332, लोनी में 314 और वसुंधरा में 318 रिकॉर्ड किया गया। नोएडा में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील विन-विन नहीं, प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्रंप की ट्रेड डील पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। शिवसेना (यबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा यह डील अमेरिका के लिए ऐतिहासिक हो सकती है, लेकिन भारत के नजरिये से यह सौदा फिलहाल विन-विन नहीं दिखता। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि इस पूरे समझौते की आधिकारिक जानकारी देश के सामने नहीं रखी गई है और जो बातें सामने आ रही हैं, वे अधिकतर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक्स पोस्ट पर आधारित है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि ट्रंप के एक्स पोस्ट के अनुसार, अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है, जिससे भारतीय एक्सपोर्टर्स को कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसके बदले अमेरिका को भारतीय बाजार में बेहद व्यापक छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के एक्स पोस्ट में दावा किया गया है कि भारत ने यूएस मार्केट में टैरिफ और नॉन-टैरिफ बैरियर्स को शून्य कर दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि अगर अमेरिका के उत्पाद भारत में आते हैं, तो उन पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि अगर यह सही है, तो यह भारतीय बाजारों को पूरी तरह खोलने जैसा है। शिवसेना यूबीटी सांसद ने कहा कि ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि भारत ने रूस से तेल न खरीदने पर सहमति जताई है। इसके अलावा, बजट से ठीक एक दिन पहले ट्रंप ने यह भी कहा था कि भारत ईरान से क्रूड ऑयल नहीं खरीदेगा और वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में भारत ने अमेरिका से अपने तेल आयात में करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। साथ ही, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा अमेरिका के साथ एलपीजी डील साइन की गई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने यह भी याद दिलाया कि आनंद फानन में शांति विधेयक पास होना भी अमेरिकी हितों से जुड़ा माना गया था।उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटरों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के एक्स पोस्ट से यह साफ होता जा रहा है कि भारत ने कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में भी अपने बाजार खोलने पर सहमति दे दी है। उन्होंने विशेष रूप से कृषि क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि अब तक भारतीय किसानों की सुरक्षा के लिए जो बैरियर्स लगाए जाते थे, उन्हें हटाने की बात सामने आ रही है।

एक इंच भी जमीन नहीं छोड़ेंगेः ममता बनर्जी

सीएम का आरोप, एसआईआर के नाम पर बंगाल में सुपर इमरजेंसी चल रही है

नई दिल्ली/कोलकाता(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग के खिलाफ आज लगातार दूसरे दिन भी दिल्ली में डटीं रही और उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से चुनौती दी। बनर्जी ने कहा, अगर आप लोगों हिम्मत है, तो राजनीतिक और लोकतांत्रिक तरीके से लड़िए। सीएम ममता ने आक्रामक रुख दिखाते हुए कहा कि, कोई समझौता नहीं होगा और हम एक इंच भी जमीन नहीं छोड़ेंगे। हम अंत तक लड़ेंगे। जो होगा वह देख लेंगे। सीएम ममता बनर्जी ने आज फिर चुनाव आयोग पर लगातार हमला करते हुए आयोग की नियत पर सवाल उठाया कि चुनाव से ठीक पहले एसआईआर क्यों किया जा रहा है?

सरदार सरोवर परियोजना के विस्थापितों को आवंटित आवासीय भूखंडो का पंजीयन निःशुल्क कराये जाने का निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

मैहर एवं कटनी जिले की 620 करोड़ रूपये से अधिक की 2 सिंचाई परियोजनाओं की स्वीकृति

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा नर्मदा घाटी की सरदार सरोवर परियोजना के विस्थापितों को आवंटित किये गए आवासीय भूखंडो का पंजीयन नि:शुल्क कराये जाने का निर्णय लिया गया। मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) अनुसार देय पंजीयन शुल्क एवं स्टॉम्प ड्यूटी की प्रतिपूर्ति नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा की जायेगी। इससे 25,600 से अधिक परिवारों को लाभ होगा। इस निर्णय से राज्य शासन पर 600 करोड़ रूपये का वित्तीय भार आयेगा।

मैहर एवं कटनी जिले की 2 सिंचाई परियोजनाओं की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा मैहर एवं कटनी जिलें में 2 सिंचाई परियोजनाओं के लिए 620 करोड़ 65 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार मैहर एवं कटनी की धनवाही सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना लागत 53 करोड़ 73 लाख रूपये की स्वीकृति दी गयी है। इससे 3500 हेक्टयर में सिंचाई की सुविधा प्राप्त होंगी और मैहर एवं कटनी जिले के 9 ग्राम के 2810 कृषक लाभान्वित होंगे। कटनी जिलें की बरही सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना लागत 566 करोड 92 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इससे, कटनी जिले की बरही एवं विजयराघवगढ़ तहसील के 27 ग्राम के 11,500 कृषक लाभान्वित होंगे और 20 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होंगी।

10 योजनाओं की निरंतरता की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा 6 विभागों की 10 योजनाओं की वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक निरंतरता के लिए 15,009 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार वित्त विभाग की लोक वित्त पोषित 500 करोड़ से कम की 8 योजनाओं के लिए 115 करोड़ 6 लाख रुपये, श्रम विभाग की मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना के लिए 5 हजार करोड़ रुपये, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की विधानसभा क्षेत्र निर्वाचन योजना और स्थापना एवं कार्यालयीन योजनाओं के लिए 3 हजार 376 करोड़ 66 लाख रूपये, पशु पालन एवं डेयरी विभाग की डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर ब्लॉकग्रांट योजना एवं पशुपालन, पशु विकास और गौ संवर्धन योजना के लिए 6 हजार 472 करोड़ 18 लाख रुपये, महिला एवं बाल विकास की किशोर कल्याण निधि योजना और घरेलू हिंसा पीड़िता के लिए सहायता योजना के लिए 24 करोड़ 70 लाख रूपये और पिछड़ा वर्ग एवं अन्य कल्याण की अल्पसंख्यक स्वरोजगार/उद्यम योजना के लिए 21 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

अन्य निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य समाज कल्याण बोर्ड को भंग कर कर्मचारियों का संविलयन महिला बाल विकास विभाग में करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

7 फरवरी से शुरु होगा समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु पंजीयन : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल (ए)। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान पंजीयन 7 फरवरी से शुरू होगा। किसान 7 फरवरी से 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है। पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

रेप के आरोपी की जिला अदालत में पिटाई

-11वीं की छात्रा से दुष्कर्म कर बनाया था अश्लील वीडियो

भोपाल(ए)। प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित जिला अदालत में बीते दिन उस समय हंगामे की स्थिति बन गई जब 11वीं की छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी की पुलिस हिरासत में कोर्ट परिसर में वकीलो द्वारा जमकर पिटाई की गई। जानकारी के अनुसार कोहेफिजा थाना क्षेत्र में 11 वीं की नाबालिग छात्रा से कार में दुष्कर्म करने वाले आरोपी ओसाफ अली खान को मंगलवार गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। इसी दौरान कोर्ट परिसर में गुस्साए वकीलों ने आरोपी को घेरकर उसकी पिटाई कर दी। हालात बिगड़ते देख पुलिस और वकीलों के बीच गहमा-गहमी और तीखी बहस भी हो गई, जिसका वीडियो भी सामने आए हैं। कोर्ट परिसर में शोर-शराबा और धक्का-मुक्की के चलते कुछ देर के लिए कामकाज भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने बल प्रयोग कर किसी तरह आरोपी को भीड़ से बचाया और सुरक्षित बाहर निकाला।

आरोप हैं कि 11वीं की नाबालिग छात्रा को बहला-फुसलाकर आरोपी ने उसे घूमाने के बहाने ले जाकर अपनी कार में उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसके दौरान आरोपी ने पीड़िता का चोरी छिपे अश्लील वीडियो बना लिया और फिर उसे ब्लैकमेल करते हुए उस पर साथ आने और धर्म परिवर्तन का दबाव भी डाला गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काहल कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। पेशी के दौरान जैसे ही आरोपी को कोर्ट परिसर में लाया गया, वहां मौजूद आक्रोशित वकीलो ने आरोपी को घेर लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी।

क्यूएस इंडिया समिट-2026 में मध्यप्रदेश की वैश्विक उड़ान

एसीएस उच्च शिक्षा श्री राजन गोवा की समिट में हुए शामिल
न्यूजीलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैंटरबरी के डेलीगेट्स से किया वन-टू-वन संवाद

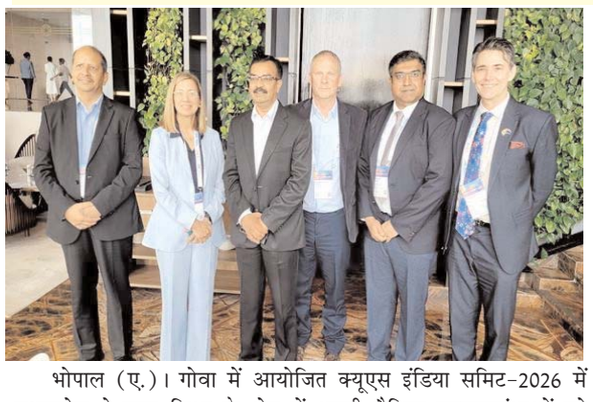

भोपाल (ए.)। गोवा में आयोजित क्यूएस इंडिया समिट-2026 में मध्यप्रदेश ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को मजबूती से रखा। अपर मुख्य सचिव (एसीएस), उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने इस समिट न्यूजीलैंड की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ कैंटरबरी के डेलीगेट्स से वन-टू-वन संवाद कर शोध, नवाचार और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक सहयोग पर सार्थक चर्चा की। एसीएस श्री राजन ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में मध्यप्रदेश को उच्च शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी, संयुक्त अनुसंधान और शैक्षणिक आदान-प्रदान बेहद आवश्यक हैं। समिट में सस्टेनेबिलिटी, रिसर्च-ओरिएंटेड लर्निंग और नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों पर विशेष जोर दिया गया।वर्ष 1873 में स्थापित यूनिवर्सिटी ऑफ कैंटरबरी न्यूजीलैंड की अग्रणी रिसर्च यूनिवर्सिटी है। यह विश्व की शीर्ष 300 यूनिवर्सिटियों में शामिल है। कला, वाणिज्य, कानून, इंजीनियरिंग और विज्ञान जैसे विषयों में इसकी वैश्विक पहचान है। तीन दिवसीय क्यूएस इंडिया समिट-2026 में एसीएस श्री राजन की सक्रिय सहभागिता से मध्यप्रदेश ने फॉरेन यूनिवर्सिटीस के साथ सहयोग, संयुक्त अनुसंधान और क्षमता निर्माण को लेकर अपनी ठोस रणनीति प्रस्तुत की। यह पहल प्रदेश को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ग्लोबल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। समिट में आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. सुनील सिंह, राकेश श्रीवास्तव, मनोज अग्निहोत्री सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जुआ खेलने से रोकना युवक को पड़ा महंगा

- आरोपी ने पेट्रौल डालकर लगा दी आग, हालत नाजुक

भोपाल(ए)। पुराने शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में स्थित नवजीवन कॉलोनी में गली में जुआ खेलने से रोकना एक युवक की जान पर बन आया। उसकी बात से आरोपी को इतना गुस्सा आया की आरोपी बाइक से पेट्रोल निकालकर लाया और युवक पर छिड़ककर उसे आग लगा दी। तेजी से भड़की आग से युवक गंभीर रुप से झुलस गया उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नवजीवन कॉलोनी छोला मंदिर में रहने वाला मनोज वंशकार (32) निजी काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि उसकी गली में जुए की फड़ लगती है। यहाँ आरोपी मनोज कोष्ठी खुद जुआ खेलता है, और लोगों को खिलाता है। रविवार की सुबह से ही कॉलोनी की गली में जुए की फड़ जमी हुई थी। यह देख मनोज वंशकार ने मनोज कोष्ठी से कहा कि वह लोग उसे घर के पास जुआ नहीं खेले। उसकी बात पर आरोपी भड़क गया और बाइक से पेट्रोल निकालकर ले आया। आरोपी ने मनोज वंशकार के साथ मारपीट करते हुए उसके शरीर पर पेट्रोल छिड़क दिया। बताया गया है कि उस समय गली में जल रही आग से वह जलती लकड़ी उठा लाया और और मनोज वंशकार को आग लगा दी। उसके शरीर पर पहले से ही पेट्रोल छिड़का होने के कारण आग तेजी से भड़क गई। परिजनों और गली के लोगों ने किसी तरह उसे आग की चपेट से बचाकर गंभीर रूप से झुलसे मनोज वंशकार को इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। वहाँ उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मनोज वंशकार के बयान दर्ज करने के बाद आरोपी मनोज कोष्ठी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे दबोचा लिया।

भोपाल में मासूम इब्राहिम की मौत मामले में पिता गिरफ्तार, फरार अपराधियों को घर में देता था पनाह, अवैध हथियार बरामद

भोपाल(ए)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गौतम नगर इलाके में तीसरी कक्षा के छात्र इब्राहिम की गोली लगने से हुई मौत के मामले में पुलिस ने उसके पिता रिजवान लाला को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि रिजवान लाला अपने घर में फरारी काट रहे अपराधियों को शरण देता था। पुलिस ने उसके मकान से अवैध हथियार भी बरामद किए हैं, जिसके बाद उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इब्राहिम की मौत के बाद मामले की गहन जांच की गई, जिसमें रिजवान लाला की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह पुष्टि हुई कि वह लंबे समय से फरार अपराधियों को अपने घर में ठहरने की सुविधा देता था।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की निर्णायक भूमिका : मंत्री श्री सारंग

युवा संवाद-बजट 2026- मंत्री श्री सारंग ने किया युवाओं से संवाद

भोपाल(ए)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को एक निजी यूनिवर्सिटी में आयोजित युवा संवाद- बजट 2026 कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित होकर युवाओं से संवाद किया। मंत्री श्री सारंग ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं केंद्रीय बजट वर्ष 2026-27 के प्रमुख प्रावधानों, सरकार की दूरदृष्टि और विकसित भारत के संकल्प पर विस्तार से प्रकाश डाला।मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह बजट केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य की सशक्त आधारशिला है।

इसमें सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित है। यह बजट G YA N (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) पर केंद्रित है जो युवाओं के सपनों को उड़ान देने वाला, किसानों के आत्मविश्वास को मजबूत करने वाला, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाला तथा मध्यम और गरीब वर्ग को सशक्त करने वाला है। संवाद कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, जेएलयू के वॉइस चांसलर डॉ. विवेक खरे सहित बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति रही।

यूजीसी के फैसलों के विरोध में क्षत्रिय करणी सेना का मशाल जुलूस, 8 फरवरी को राजभवन तक मार्च

भोपाल (ए)। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के हालिया फैसलों के विरोध में क्षत्रिय करणी सेना मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मशाल जुलूस निकालेगी। यह जुलूस 8 फरवरी, शनिवार शाम 6 बजे भारत माता चौराहा से शुरू होकर राजभवन तक पहुंचेगा, जहां राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। क्षत्रिय करणी सेना के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष एवं भोपाल जिला अध्यक्ष आशु सिंह ने मंगलवार को मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा और प्रदेश महिला अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान करेंगी। उन्होंने कहा कि जुलूस में प्रदेशभर से हजारों करणी सैनिकों के शामिल होने की संभावना है। मशाल जुलूस में सवर्ण समाज के नागरिकों की भी व्यापक भागीदारी रहेगी। आशु सिंह के अनुसार यूजीसी से जुड़े हालिया निर्णयों को लेकर समाज में गहरा असंतोष है, जिसे लेकर यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

जमाअत-ए-इस्लामी भोपाल ने किया इस्तक़बाल-ए-रमज़ान जलसे का आयोजन

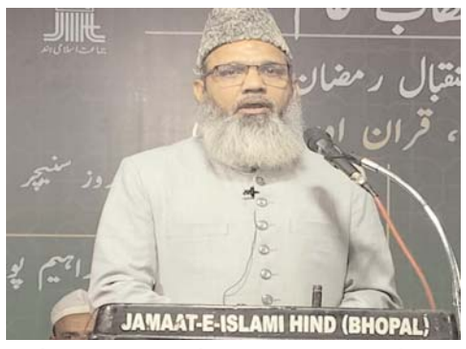

भोपाल(ए.)। शहर भोपाल जमाअत-ए-इस्लामी द्वारा आने वाले मुक़द्दस माह रमज़ानुल मुबारक के इस्तक़बाल के अवसर पर एक जलसे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की सदारत प्रसिद्ध आलिम-ए-दीन डॉक्टर मुहिउद्दीन ग़ाज़ी ने की। डॉक्टर मुहिउद्दीन ग़ाज़ी ने अपने सदारती संबोधन में रमज़ान की रूहानी अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महीना सब्र, तक़्वा, इबादत और समाजी ज़िम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने रमज़ान के दौरान अख़लाक़ सुधारने और इंसानियत की ख़िदमत पर ज़ोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने क़ुरान को समझकर पढ़ने पर ज़ोर देते हुए कहा कि क़ुरान हिदायत की किताब है, और इससे हिदायत तभी हासिल होगी जब हम इसे समझकर पढ़ें। जमात मध्यप्रदेश के सहायक अध्यक्ष डॉ सैयद शाहिद अली ने रोज़े की अहमियत, क़ुरआन से लगाव और ज़रूरतमंदों की मदद पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जलसे के आखिर में अमन-ओ-अमान और भाईचारे के लिए दुआ की गई।

शोध एवं नवाचार संबंधी गतिविधियों को दिया जाए बढावा : उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

मंत्री श्री परमार ने, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल द्वारा प्रकाशित शोध जर्नल का किया विमोचन

भोपाल(ए.)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने, भोपाल स्थित निवास कार्यालय में मंगलवार को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय भोपाल द्वारा संकलित शोध पत्रों पर प्रकाशित शोध जर्नल (RJMLB) का विमोचन किया। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों एवं उनकी गुणवत्ता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के अन्य महाविद्यालयों द्वारा भी इस प्रकार के शोध प्रकाशन किए जाना चाहिये। मंत्री श्री परमार ने छात्र-छात्राओं को भी शोध पत्र लेखन के लिये प्रोत्साहित किये जाने को कहा। श्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित आलेख का भी समुचित समावेश किये जाने पर जोर दिया ताकि नयी पीढी भारतीय समृद्ध पुरातन ज्ञान एवं संस्कृति से परिचित हो सकें।ज्ञातव्य है कि शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय भोपाल द्वारा पर्यावरण से संबंधित राष्ट्रीय स्तर का वेबीनार का आयोजन किया गया था, जिसमें लगभग 250 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुये थे। प्रतिभागियों की ओर से दिये गये शोध पत्रों की समीक्षा उपरांत चयनित शोध पत्र एवं महाविद्यालय द्वारा आमंत्रित अन्य शोध पत्रों का संकलन कर, महाविद्यालय द्वारा शोध जर्नल (RJMLB) प्रकाशित किया गया है। इस अवसर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ. प्रवीण तामोट, विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र डॉ. मीनल फडनीस एवं डॉ. संजय सिंह उपस्थित थे।

एमपी ट्रांसको के आगर 132 के.वी. सब स्टेशन में किया तकनीकी नवाचार

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने आगर स्थित 132 के.वी. सब स्टेशन में तकनीकी नवाचार करते हुए पुराने कैपेसिटर बैंक के फाउंडेशन पर ही अधिक क्षमता का नया कैपेसिटर बैंक सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है। मंत्री तोमर ने मंगलवार को बताया कि क्षेत्र में इंडक्टिव लोड बढ़ने के कारण पूर्व में स्थापित 5 एमवीएआर क्षमता का कैपेसिटर बैंक लोड वहन नहीं कर पा रहा था। इससे वोल्टेज प्रोफाइल प्रभावित हो रही था। सीमित स्थान के कारण नए फाउंडेशन का निर्माण संभव नहीं था।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध शराब निर्माण, परिवहन और विक्रय के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

67 लाख 34 हजार रूपये की अवैध शराब व वाहन जप्त

भोपाम (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध निरंतर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। श्योपुर एवं कटनी जिलों में अलग-अलग मामलों में पुलिस ने अवैध शराब के विरूद्ध कार्रवाई कर 67 लाख 34 हजार रूपये की शराब एवं वाहन जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। श्योपुर जिले में की गई कार्रवाई के तहत थाना देहात पुलिस ने राजस्थान-श्योपुर सीमा क्षेत्र में नाकाबंदी कर एक संदिग्ध ट्रक को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर ट्रक से अंग्रेजी शराब की 635 पेटियां, कुल 4863 बल्क लीटर अवैध शराब प्राप्त हुई, जिसे ट्रक सहित जब्त किया गया।

जब्त की गई शराब और ट्रक की अनुमानित कीमत 58 लाख 90 हजार रूपए है। प्रकरण में 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। कटनी जिले में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक कार से कुछ व्यक्ति अवैध शराब लेकर कटनी की ओर आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने ग्राम देवरी टोला पर वाहन चेकिंग लगाई। इस दौरान एक संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास करने पर चालक द्वारा वाहन को तेज गति से बायपास रोड मैहर की ओर ले गए। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर आरोपी वाहन को खड़ा करके फरार हो गए। मौके पर खड़ी कार की तलाशी लेने पर उसमें देशी मदिरा की 24 पेटियां, कुल 216बल्क लीटर अवैध शराब प्राप्त हुई।

जिले में ओलावृष्टि की सूचना मिलने पर कलेक्टर मौके पर पहुंची

सिकरौदा और बड़की सराय गांव में पहुंचकर किसानों से की चर्चा

ग्वालियर (ए.)। जिले के भितरवार क्षेत्र में सोमवार की रात को ओलावृष्टि की सूचना मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बड़की सराय एवं सिकरौदा गांव में पहुंचकर ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया एवं प्रभावित किसानों से चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने एसडीएम भितरवार एवं रिवेन्यू के समस्त स्टाफ को निर्देशित किया है कि ओला प्रभावित खेतों के सर्वेक्षण का कार्य तत्काल प्रारंभ करें । उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी प्रभावित किसान सर्वेक्षण में वंचित नहीं रहना चाहिए । साथ ही किसी भी गलत व्यक्ति का नाम सर्वेक्षण में नहीं जुड़ना चाहिए । ओलावृष्टि की सूचना पर क्षेत्र में नहीं पहुंचने पर बड़कीसराय के पटवारी संजय शर्मा को कार्य के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने प्रभावित किसानों से चर्चा कर उन्हें आश्वस्त किया कि सभी पीड़ित किसानों को शासन के प्रावधान के अनुरूप मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने भ्रमण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भितरवार श्री राजीव समाधिया को निर्देशित किया है कि ओला प्रभावित सभी ग्रामों में प्रारंभिक सर्वेक्षण का कार्य तत्परता से प्रारंभ किया जाए। सर्वेक्षण के दौरान प्रभावित हुए सभी किसानों की सूची नाम एवं रकबे के साथ तैयार की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि ओला प्रभावित कोई भी किसान प्रारंभिक सर्वेक्षण में छूटना नहीं चाहिए। ओलावृष्टि के 4 – 5 दिन बाद कृषि विभाग के दल के माध्यम से भी जिले में सर्वेक्षण का कार्य कराया जायेगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रभावित किसानों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर ओला प्रभावितों का सर्वेक्षण कार्य तत्परता से किया जायेगा। सर्वेक्षण के उपरांत जो भी प्रभावित किसान हैं उन्हें शासन के प्रावधानों के अनुरूप राहत राशि भी उपलब्ध कराई जायेगी। इसके साथ ही जिन किसानों ने अपनी फसल का बीमा कराया है उन किसानों को भी बीमा कंपनी को 14447 पर सूचना देने के उपरांत कंपनी के माध्यम से बीमे की राशि भी उपलब्ध कराई जायेगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बताया कि प्रारंभिक सूचना के आधार पर जिले के विकासखंड भितरवार में 10 से 11 गाँवों में ओले गिरने की सूचना प्राप्त हुई है। राजस्व का सम्पूर्ण अमला अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर ओला प्रभावितों के संबंध में जानकारी एकत्रित करने का कार्य कर रहा है। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजीव समाधिया, तहसीलदार सुश्री पूजा मावई, तहसीलदार सुश्री रुचि अग्रवाल सहित राजस्व विभाग का अमला उपस्थित था।

बेमौसम बारिश ने पूरे जिले को भिगोया, मौसम में घुली ठंडक की मिठास

अनूपपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में मंगलवार की शाम बेमौसम बारिश ने भिगोया। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम ने करवट ली। शाम को आसमान में घने काले बादल छा गए और देखते ही देखते तेज गर्जना व बिजली की लपक के साथ मध्यम स्तर की बारिश शुरू हो गई। यह बारिश लगभग आधे घंटे तक रुक-रुक कर होती रही। इससे मौसम सर्द हो गया। जिला मुख्यायलय अनूपपुर सहित प्रदेश की प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक नगरी अमरकंटक में अचानक हुई वर्षा से वातावरण में नमी बढ़ गई, वहीं बारिश के बाद चली ठंडी-ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया। वर्षा के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई और हल्की ठंड की मिठास एक बार फिर लौट आई।गौरतलब है कि इसके एक दिन पूर्व भी संध्या काल में अच्छी खासी बारिश हुई थी, जिससे पहले से ही मौसम में बदलाव महसूस किया जा रहा था। आज दिन भर दोपहर तक आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही और शाम होते-होते मौसम ने अचानक अपना रंग दिखाया।

शिवपुरी में बिजली गिरने से किसान की मौत, पत्नी ने मासूम बच्चों को बचाया

शिवपुरी(ए.)। शिवपुरी जिले के अमोला थाना क्षेत्र के सिलानगर गांव में मंगलवार सुबह खेत में बनी झोपड़ी पर बिजली गिर गई। इस हादसे में 26 वर्षीय किसान वीरसिंह आदिवासी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय उनकी पत्नी और दो बच्चे भी झोपड़ी में मौजूद थे। पत्नी बच्चों को बचाने में सफल रही, लेकिन पति को नहीं बचा सकी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

हादसा मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। सिलानगर गांव निवासी वीर सिंह आदिवासी (26) अपने खेत की सुरक्षा के लिए पत्नी और दो बच्चों के साथ खेत पर बनी झोपड़ी में रह रहे थे। सोमवार रात करीब 9 बजे परिवार ने साथ भोजन किया और झोपड़ी में सो गया। आधी रात के बाद मौसम अचानक बदला और रुक-रुक कर बारिश शुरू हो गई। रात के अंधेरे में अचानक तेज गर्जना हुई और कुछ ही क्षणों में आकाशीय बिजली झोपड़ी पर गिर पड़ी। जोरदार धमाके के साथ झोपड़ी में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि झोपड़ी देखते ही देखते आग का गोला बन गई।

किसानों के लिये अच्छी कमाई का जरिया बनी चिया की खेती.

जिले में लगातार बढ रहा रकबा.

जबलपुर,(ए.)। सुपरफूड के रुप में प्रसिद्ध चिया सीड्स किसानों के लिए "सफेद सोना" साबित हो रहा है। पारंपरिक फसलों जैसे गेंहू, चना और अन्य फसलों के मुकाबले कम लागत में अधिक पैदावार देने वाली चिया की खेती अच्छी आय का साधन बन गई है। जिले में पाटन अनुविभाग से नवाचार के रूप में 5 एकड़ से प्रारंभ की गई चिया की खेती का रकबा अब बढ़कर 250 एकड़ तक पहुंच गया है। पाटन, शहपुरा, सिहोरा, मझौली, जबलपुर, कुंडम विकासखण्ड के लगभग सौ किसान चिया की खेती कर रहे हैं। कृषि अधिकारियों ने आज सोमवार को शहपुरा विकासखण्ड के ग्राम भड़पुरा के किसान इंजीनियर अभिषेक मुखर्जी के प्रक्षेत्र का भ्रमण कर चिया की फसल का अवलोकन किया। इन अधिकारियों में संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम, उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम, अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी शामिल थे। कृषि अधिकारियों के अनुसार चिया की खेती में उर्वरक एवं कीटनाशक का खर्च न के बराबर है।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज

स्टेट बैंक के मैनेजर , पीएचई विभाग के एसडीओ और उनके बालक पर हुआ मामला दर्ज

सिवनी,(ए.)। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के महिला थाना सिवनी में शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, बाद में विवाह से इंकार करने, मारपीट, अश्लील वीडियो वायरल करने व एसिड फेंकने की धमकी देने का गंभीर मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता समृद्धि पटेल (25), निवासी काली चौक सिवनी की शिकायत पर महिला थाना सिवनी में अपराध क्रमांक 27/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई है। सिवनी पुलिस से मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता के अनुसार आरोपित प्रखर गभने से वर्ष 2020 से परिचय था, जो प्रेम संबंध में बदल गया। आरोपित द्वारा विवाह का झूठा प्रलोभन देकर भोपाल ले जाकर तथा सिवनी में कई बार शारीरिक संबंध बनाए गए, लेकिन बाद में शादी से साफ इंकार कर दिया गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपित ने मारपीट की, अश्लील वीडियो वायरल करने और एसिड फेंकने की धमकी दी।

कांग्रेस ने की अफीम उत्पादक किसानों को बगैर सर्वे के मुआवजा देने की मांग

मन्दसौर,(ए.)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ क्षेत्र के किशनगढ़, झारड़ा, हरमाला, लसुडिया कदमाला, बोरखेड़ी, फतेपुर, बंड पिपलिया, पामाखेडा, गोपालपुरा, मनासाखुर्द, अनूपपूरा सहित अन्य गांवों में शनिवार को ओलावृष्टि व तेज बारिश से अफीम की फसल पूरी तरह चौपट होगई है। किसानों को बगैर सर्वे के राहत एवं मुआवजे की मांग को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव परशुराम सिसौदिया की अगुवाई में जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्रसिंह गुर्जर एवं मन्दसौर विधायक विपिन जैन की उपस्थिति में मन्दसौर नारकोटिक्स कार्यालय का घेराव व नारेबाजी कर केंद्रीय वित्तमंत्री एवं जिला अफीम अधिकारी के नाम जिला अफीम अधिकारी एस के हिंगड़ को मंगलवार को ज्ञापन सौंपे।जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्रसिंह गुर्जर ने कहा कि मल्हारगढ़ क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि से अफीम की फसल पूरी तरह तबाह हो गई है अफीम के डोडे सहित पत्ते टूट गए है और अफीम में 100 प्रतिशत नुकसान हुआ है। कांग्रेस ने केन्द्रीय वित्तमंत्री सीतारमण से किसान हित में मांग की है कि अफीम उत्पादक किसानों को राहत प्रदान की जाय।इस मौके पर पुर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, प्रकाश रातड़िया, सोमिल नाहटा, मनजीत सिंह टूटेजा, अनिल शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस ने एवं क्षेत्र के किसान मौजूद थे।

व्यापार समाचार

ट्रंप ने घटाया टैरिफ तो शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 2500 अंक चढ़ा; निफ्टी में भी 700 अंक की तेजी

मुंबई (आरएनएस)। ट्रम्प के भारत पर टैरिफ को 50% से घटाकार 18त्न करने के ऐलान के बाद आज भारतीय शेयर बाजार में तेजी है। सेंसेक्स 2500 (2.9%) अंकों की तेजी के साथ 84,000 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 700 (2.9%) अंक की तेजी है। ये 25,800 पर कारोबार कर रहा है। रियल्टी, ऑटो ओर ढ्ढञ्ज शेयर में तेजी है। सेंसेक्स ने बजट के दिन हुई 1,546 अंकों की गिरावट की रिकवरी कर ली है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील के ऐलान चलते बाजार में तेजी का कारण है। स्न प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने 2 फरवरी को कहा कि वे भारत के साथ डील पर सहमत हैं, जिसमें टैरिफ 50त्न से घटकर 18त्न हो जाएगा। भारत रूस से ऑयल खरीद बंद करेगा और स्न से ज्यादा एनर्जी, टेक्नोलॉजी और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स खरीदेगा।PM नरेंद्र मोदी से कॉल के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर यह ऐलान किया। ट्रम्प ने अप्रैल 25 में भारत पर 25त्न रेसिप्रोकल टैरिफ और फिर रूस से तेल खरीदने के कारण अगस्त में 25त्न पेनल्टी का ऐलान किया था। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक भारत पर सिर्फ टैरिफ 18त्न ही लगेगा। अमेरिका रूसी तेल खरीदने के कारण लगा 25त्न टैरिफ हटा देगा।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, निवेशकों की भरी जेब, कमाए 5 लाख करोड़

मुंबई ,(आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 943.52 अंक या 1.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 81,666.46 और निफ्टी 262.95 अंक या 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,088.40 पर था। शेयर बाजार में आई शानदार तेजी से सेंसेक्स 940 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,000 के ऊपर क्लोज हुई है। इस तेजी में निवेशकों ने 5 लाख करोड़ रुपये कमाए।

बाजार में तेजी का नेतृत्व इन्फ्रा और ऑटो शेयरों ने किया। निफ्टी इन्फ्रा (2.26 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (2.13 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (2.04 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (2.04 प्रतिशत), निफ्टी ऑयलएंडगैस (2.04 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (1.88 प्रतिशत) और निफ्टी कमोडिटीज (1.87 प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुआ।

केवल निफ्टी आईटी (0.47 प्रतिशत) और निफ्टी हेल्थकेयर (0.08 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बड़ी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 546.80 अंक या 0.96 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,667.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 105.20 अंक या 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,523.35 पर था।सेंसेक्स पैक में पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, बीईएल, एमएंडएम, एलएंडटी, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति सुजुकी गेनर्स थे। एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, टीसीएस, ट्रेंट, टाइटन और कोटक महिंद्रा बैंक लूजर्स थे। एलकेपी सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक दे ने कहा कि बड़ी गिरावट के बाद निफ्टी में मजबूत उछाल देखने को मिला है। हालांकि, व्यापक ट्रेंड अभी भी कमजोर बना हुआ है। इंडेक्स अभी भी 200 डीएमए से नीचे है।उन्होंने आगे कहा कि किसी भी तेजी को लीवरेज पॉजिशन को कम करने और शॉर्ट पॉजिशन बनाने के लिए करना चाहिए। निफ्टी के लिए रुकावट का स्तर 25,200 है और सपोर्ट 24,900 के आसपास है। मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला था।

शेयर बाजार में 8 महीने की सबसे बड़ी तेजी, एक ही दिन में निवेशकों ने कमाए 12 लाख करोड़

मुंबई(ए.)। अमेरिका-भारत ट्रेड डील के चलते भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 2,072.67 अंक या 2.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 83,739.13 और निफ्टी 639.15 अंक या 2.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,727.55 पर बंद हुआ।

निवेशकों ने 12.06 लाख करोड़ कमाए

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज बढ़कर 467.09 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 455.03 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह क्स्श्व में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 12.06 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की संपत्ति में करीब 12.06 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

बाजार को ऊपर खींचने का काम रियल्टी और वित्तीय शेयरों ने किया। इसके चलते मुख्य सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी (4.79 प्रतिशत) और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (3.27 प्रतिशत) की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके साथ निफ्टी हेल्थकेयर (3.16 प्रतिशत), निफ्टी इन्फ्रा (3.03 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (3.02 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (3.02 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (2.81 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (2.87 प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में 30 में से 28 शेयर हरे निशान में बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, पावर ग्रिड, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, इटरनल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक और एमएंडएम टॉप गेनर्स थे। बीईएल और टेक महिंद्रा टॉप लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,639.50 अंक या 2.84 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,307.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 465.60 अंक या 2.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 16,988.95 पर था।

मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से घरेलू अर्थव्यवस्था और पूंजीगत बाजारों के लिए सकारात्मक माहौल बना है। इससे लंबी अवधि में भारत को तेज विकास दर हासिल करने में मदद मिलेगी।शाह ने आगे बताया कि इस डील से भारत के कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, और अन्य क्षेत्रों को काफी फायदा होगा। अन्य मार्केट एक्सपर्ट जितेंद्र व्यास ने कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बाजार ने काफी सकारात्मक रिएक्शन दिया है। इससे लंबी अवधि में बाजार को फायदा होगा। इससे टेक्सटाइल क्षेत्र को बड़ा लाभ होगा, क्योंकि इस डील से भारतीय निर्यातक अमेरिका में बांग्लादेश जैसे देशों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर अपने माल की बिक्री कर पाएगा। इसके अलावा, इस डील से फार्मा और आईटी सेक्टर को भी लाभ होगा।

शेयर मार्केट एक्सपर्ट दीपेन दुधिया ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के कारण बाजार में गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन अब यह कम होकर 18 प्रतिशत रह गया है। इससे बाजार में निवेशकों की रुचि बढ़ेगी। आने वाले समय में शेयर बाजार में 15 प्रतिशत तक की वृद्धि देखने को मिल सकती है।

गिरावट पर लगा ब्रेक, सोना-चांदी में तूफानी तेजी : इतने रुपए महंगी हुई चांदी, गोल्ड ने भी लगाई छलांग

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। बीते कुछ दिनों से सराफा बाजार में जारी मायूसी अब खत्म होती दिख रही है। सोना और चांदी की कीमतों में चल रहे 'क्रैश' के सिलसिले पर मंगलवार को अचानक ब्रेक लग गया। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (स्ष्टङ्क) पर वायदा कारोबार की शुरुआत होते ही दोनों कीमती धातुओं में तूफानी तेजी देखने को मिली। बाजार खुलते ही चांदी के भाव में जहां 21,000 रुपये से ज्यादा का उछाल आया, वहीं सोना भी पीछे नहीं रहा और खुलने के साथ ही 5,000 रुपये से ज्यादा महंगा हो गया। मंगलवार को एमसीएक्स पर कारोबार शुरू होते ही 5 मार्च की एक्सपायरी वाली चांदी के वायदा भाव में तगड़ी खरीदारी देखी गई। एक ही झटके में चांदी अपने पिछले बंद भाव से 21,000 रुपये से ज्यादा चढ़ गई। आंकड़ों पर नजर डालें तो सोमवार को एमसीएक्स पर चांदी का भाव 2,36,261 रुपये पर बंद हुआ था, लेकिन मंगलवार सुबह यह सीधे 2,57,480 रुपये प्रति किलो के स्तर पर ओपन हुई। हालांकि, इस भारी तेजी के बावजूद चांदी अभी भी अपने रिकॉर्ड स्तर से सस्ती है। बता दें कि 29 जनवरी को चांदी ने 4,30,048 रुपये प्रति किलो का ऑल टाइम हाई बनाया था, जिससे वर्तमान भाव अभी भी करीब 1.62 लाख रुपये नीचे है।

कैंसर और दुर्लभ बीमारी की दवाओं पर सीमा शुल्क हटाने से मरीजों को राहत

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने कैंसर की 17 महंगी दवाओं और सात दुर्लभ बीमारियों के इलाज पर 5-10 फीसदी आयात शुल्क तुरंत हटाने का निर्णय लिया है। इसका मकसद मरीजों के लिए इन उपचारों को सुलभ बनाना और लागत को कम करना है। इस कदम से वैश्विक और घरेलू दवा कंपनियों को भी फायदा होगा, जिनके पोर्टफोलियो में आयातित दवाएं शामिल हैं। इस छूट से नोवार्टिस, इलाई लिली, एस्ट्राजेनेका, रोश जैसी कंपनियां लाभान्वित होंगी। उदाहरण के लिए, नोवार्टिस का रिबोसिस्लिब और इलाई लिली का एबेमासिस्लिब ब्रेस्ट कैंसर में उपयोग होता है। एस्ट्राजेनेका का ट्रेमेलिमुमैब

लिवर कैंसर और रोश की वेनेटोक्लाक्स क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया के इलाज में प्रयोग होती हैं। इसके अलावा, ऐबवी, ब्लूप्रिंट मेडिसिन्स, बेयर और ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब जैसी कंपनियों की आयातित इम्यूनोथेरेपी भी लाभ में रहेंगी।

एल्नीलम फार्मास्युटिकल्स को प्राइमरी हाइपरोक्सालुरिया टाइप 1 के लिए लुमासिरेन पर छूट मिलेगी। इसके अलावा, हेरेडिटरी एंजियोएडेमा और प्राइमरी इम्यूनोडिफिशिएंसी डिसऑर्डर (पीआईडीडी) के इलाज में दवा आपूर्तिकर्ताओं को स्थिर मांग और बेहतर किफायत मिलेगी। मरीजों के लिए इसका सीधा फायदा यह होगा कि महंगी दवाओं की लागत में थोड़ी कमी आएगी। लंबे समय तक इस्तेमाल होने वाले ब्रेस्ट कैंसर की दवाओं जैसे रिबोसिस्लिब और एबेमासिस्लिब की कीमतें कम होने से इलाज जारी रखना आसान होगा। ट्रेमेलिमुमैब जैसी इम्यूनोथेरेपी भी अधिक सुलभ हो जाएगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि

समस्या आनुपातिक समानता के नाम पर दशकों से चल रही वो राजनीति है, जिसमें न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि दे दी गई है। इस सोच ने समाज को पुरानी जकड़नों में और भी मजबूती से बांध डाला है। उच्च शिक्षण संस्थानों में कथित जातीय भेदभाव को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों ने नई सामाजिक हलचल पैदा कर दी है। इससे संबंधित अपने आरंभिक ड्राफ्ट में आयोग ने दो बदलाव किए। उससे ये मामला भड़का है। शुरुआती ड्राफ्ट में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के साथ जातीय आधार पर भेदभाव के मामलों में कार्रवाई की प्रक्रिया शामिल थी। उसमें यह प्रावधान भी था कि गलत शिकायत दर्ज कराने वाले छात्र (या कर्मचारी) पर क्या कार्रवाई होगी। ड्राफ्ट का समाज के एक हिस्से की तरफ से विरोध हुआ। उसके दबाव में आकर यूजीसी ने एक तो संभावित उत्पीड़न का शिकार होने वाले समूहों में ओबीसी जातियों को शामिल कर दिया और दूसरे गलत शिकायत से संबंधित प्रावधान को हटा दिया।नतीजा सामान्य श्रेणी वर्ग में गहरे असंतोष के रूप में सामने आया है। इन समूहों की दलील है कि जाति आधारित भेदभाव का शिकार वो भी होते हैं। इस समझ के मुताबिक जातिगत भेदभाव ताकत एवं प्रभाव की स्थिति में मौजूद हर अधिकारी कर सकता है, भले वह किसी जाति से आया हो। उनके मुताबिक यूजीसी इक्विटी विनियमन 2026 की भाषा ऐसी है, जिससे संदेश जाता है कि हर मामले में उत्पीड़क सामान्य श्रेणी के लोग ही होते हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक यूजीसी इस तर्क से सहमत नहीं है और जल्द ही वह इस बारे में स्पष्टीकरण जारी करेगा।

अगर ये खबर सच है, तो अपेक्षित होगा कि यूजीसी फौरन ऐसा करे। वरना, ये विवाद एक नई सामाजिक अशांति का कारण बनता नजर आ रहा है। वैसे, इस तरह के मामलों में तमाम तरह के स्पष्टीकरणों की अपनी सीमा है। समस्या आनुपातिक समानता के नाम पर दशकों से चल रही वो राजनीति है, जिसमें न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि दे दी गई है। इस सोच ने समाज को पुरानी जकड़नों में और भी मजबूती से बांध डाला है। चूंकि इस सोच में जाति के अलावा पिछड़ेपन, शोषण, एवं भेदभाव के कहीं अधिक मूलभूत दूसरे कारणों को सिरे से नजरअंदाज किया गया है, इसलिए जकड़नों को तोड़ कर आगे बढ़ने की दृष्टि और सामाजिक प्रगति के रास्ते बाधित हो गए हैं।

(चिंतन-मनन) प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है।

अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत्, चित् एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं।

मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है।

शिक्षक अब पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं

अजीत द्विवेदी

शिक्षक का मूल कार्य अध्ययन और अध्यापन है। भारत के सरकारी स्कूलों के शिक्षक अध्ययन का काम पहले ही काफी हद तक छोड़ चुके थे और अब अध्यापन का काम भी नाममात्र का रह गया है। शिक्षक अब स्कूलों में पढ़ाने के लिए नहीं हैं, बल्कि पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं। उनके ऊपर इतने कामों की जिम्मेदारी लाद दी गई है कि वे बच्चों को पढ़ाने के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। सरकारी स्कूलों की शिक्षा का स्तर लगातार कम होता जा रहा है तो इसका एकमात्र कारण यह नहीं है कि शिक्षक अच्छे नहीं हैं या शिक्षकों के प्रशिक्षण की अच्छी व्यवस्था नहीं है। वह कई कारणों में से एक कारण है। असल में सरकारी स्कूलों की कार्यों की सूची में अध्यापन का कार्य प्राथमिकता में नहीं है।

उन्हें स्कूल से बाहर और स्कूल में भी कई दूसरे काम करने हैं, जिनका पढ़ाई-लिखाई से कोई मतलब नहीं है। जैसे अभी 12 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के शिक्षक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के काम में लगे हैं। कुछ राज्यों के शिक्षक स्थानीय निकायों के चुनाव करा रहे हैं। इस साल और अगले साल दो चरणों में जनगणना का काम होगा और शिक्षक उसमें लगा दिए जाएंगे। पांच राज्यों के चुनाव भी हैं तो मतदान कराने से लेकर मतगणना तक उन राज्यों के सरकारी शिक्षक उसमें व्यस्त हो जाएंगे। वैसे उन राज्यों के स्कूल भी चुनाव के लिए आरक्षित होंगे। कहीं सुरक्षा बलों को ठहराया जाएगा तो कहीं मतदान केंद्र बनेंगे तो कहीं मतगणना केंद्र बनाए जाएंगे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण या संक्षिप्त पुनरीक्षण या मतदान और मतगणना या जनगणना जैसे कामों की सूची बेहद लंबी है, जो शिक्षकों को करना होता है। एक अनुमान के मुताबिक अध्ययन और अध्यापन के अलावा शिक्षकों को स्कूल के बाहर डेढ़ दर्जन किस्म के अन्य सरकारी काम करने होते हैं। एक शिक्षक ने तंज करते हुए सोशल मीडिया में लिखा था कि अच्छा है कि सरकार खेती नहीं कराती है अन्यथा बुवाई, कटाई का काम भी शिक्षकों को करना होता।

बहरहाल, सरकार परिवार और स्वास्थ्य का सर्वे करती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार पशुओं की गिनती कराती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार किसी आपदा की स्थिति में राहत सामग्री बांटती है तो वह काम भी शिक्षकों के जिम्मे होता है, किसी बीमारी या टीके के लिए जागरूकता फैलानी है तो उसका जिम्मा भी शिक्षकों के ऊपर होता है, सफाई अभियान चलाना है तो उसमें शिक्षकों को आगे किया जाता है, यहां तक कि सत्तापक्ष के किसी बड़े नेता की रैली होती है तो उसमें भी शिक्षकों को बस में भर कर रैली में जाना होता है। केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा जिले के कलेक्टर, प्रखंड के बीडीओ और पंचायत के मुखिया भी शिक्षकों को किसी न किसी काम में लगाए रहते हैं।

स्कूल के बाहर शिक्षकों को जो डेढ़ दर्जन अलग अलग किस्म के काम करने होते हैं उसके बाद ऐसा नहीं है कि बचे हुए समय में उनको स्कूल में बच्चों को पढ़ाना है। स्कूल में उनको डेढ़ दर्जन अलग किस्म के काम करने हैं, जो अध्ययन और अध्यापन से इतर हैं। मिसाल के तौर पर मिड डे मील तैयार करना एक काम होता है। एक से ज्यादा शिक्षक तो इसी में लगे रहते हैं। राशन खरीदने से लेकर खाना तैयार कराना और बच्चों को खिलाना स्कूलों में प्राथमिकता का काम है। जब से सरकार को लगने लगा है कि मास्टर लोग राशन में गड़बड़ी करते हैं तब से गड़बड़ी नहीं होने के सबूत जुटाना यानी हर चीज का हिसाब रखना, वीडियो आदि बनाना, डैशबोर्ड पर अपलोड करना भी शिक्षकों का जिम्मा हो गया है।

एक समय सरकार को लगा कि बच्चे सिर्फ खाने आते हैं या बच्चों की असली संख्या कम होता है और ज्यादा बच्चों के लिए खाना बनाने के नाम पर पैसे की गड़बड़ी होती है तब से शिक्षकों को यह काम भी दिया गया कि वे मिड डे मील खाने वाले बच्चों का फेशियल रिकग्निशन करें और उनकी वीडियो तैयार करें ताकि पुष्टि हो सके कि जिस बच्चे का नाम रॉल में है उसने स्कूल में खाना खाया। सो, मिड डे मील का मामला अब राशन खरीदने, खाना बनवाने और खिलाने के काम से काफी आगे बढ़ गया है। इस बीच तमिलनाडु सहित 12 राज्यों ने प्रस्ताव दिया है कि अगर स्कूलों में बच्चों को सुबह का नाश्ता भी दिया जाए तो उनका बेहतर पोषण होगा, उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई में उनका मन भी लगेगा। केंद्र सरकार इस पर विचार कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों को इसे भी लागू कर ही देना चाहिए ताकि शिक्षकों को पढ़ाने के काम से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाए।

ऐसा नहीं है कि इतने पर भी शिक्षकों की जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। उन्हें और भी कई काम करने होते हैं। मान लीजिए कि शिक्षा मंत्री शिक्षा से जुड़े किसी कार्यक्रम को संबोधित करते हैं तो स्कूलों से कहा जाता है कि उनका भाषण बच्चों को सुनाया जाए ताकि वे 'लाभान्वित' हो सकें। केंद्रीय विद्यालयों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है तो राज्यों के स्कूलों में राज्य के शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है। प्रधानमंत्री का भाषण तो सभी स्कूलों में सुनाया जाता है। भाषण सुनाने की व्यवस्था करने में कम से कम दो कक्षाएं प्रभावित होती हैं। लेकिन इतने पर काम खत्म नहीं होता है।

भाषण सुनते बच्चों की वीडियो बना कर उनको ऊपर भेजना होता है और किसी निर्धारित पोर्टल पर अपलोड भी करना होता है। यह काम हर सरकारी फंक्शन के बाद करना होता है। राष्ट्रीय दिवस का कार्यक्रम हो या नवाचार के नाम पर शुरू की गई किसी पहल का कार्यक्रम हो। उसे आयोजित करना, उसकी वीडियो बनाना और उसे अपलोड करना शिक्षकों की जिम्मेदारी होती है। शिक्षकों को इवेंट मैनेजर बना दिया गया है। उनको कार्यक्रम आयोजित करने, उसे सफल बनाने और उसके वीडियो अपलोड करने से फुरसत नहीं मिलती है। ग्रामीण और छोटे कस्बों में तो ज्यादातर स्कूल दो या तीन शिक्षकों के साथ चलते हैं। उन स्कूलों में तो शिक्षकों को पढ़ाने की फुरसत कभी नहीं मिल पाती है।

(चिंतन-मनन) प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है।

अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत्, चित् एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं।

मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं।

भारत को तुर्की से सीखना चाहिए

हरिशंकर व्यास

भारत के सामने एक मॉडल तुर्किए का है, जिसने न सिर्फ अपने को अपनी हथियार जरुरतों में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को ड्रोन सहित अपने हथियार बेच रहा है। उसने पिछले 40 साल में इतने सुनियोजित तरीके से यह काम किया है कि भारत को उससे सीखना चाहिए। भारत ने भी देखा कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्किए से मिले ड्रोन से पाकिस्तान लड़ रहा था। अब भी उसी के ड्रोन गाहे बगाहे पाकिस्तान सीमा पर दिखते हैं। उसने सातवें दशक में साइप्रस संकट के समय अमेरिका और यूरोप ने उसको हथियार देने पर पाबंदी लगा दी थी। उसके बाद ही उसने अपने को आत्मनिर्भर बनाने का फैसला किया और 1985 में प्रेसिडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्रीज के नाम से एक केंद्रीय संस्था बनाई। उसके बाद पिछले चार दशक में तुर्किए ने अलग ही पहचान बना ली है। भारत भी इस मॉडल पर काम कर सकता है।

इस मॉडल की कुछ खास बातें हैं। जैसे तुर्किए ने दूसरे देशों के साथ जो भी हथियार सौदा किया उसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की अनिवार्य शर्त रखी। उसने अमेरिका, जर्मनी, इटली आदि से हथियारों का सौदा किया तो उसके लोकल प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की शर्त रखी। उसने स्थानीय इंजीनियरों द्वारा उत्पादन की भी शर्त रखी। सोर्स कोड और डिजाइन पर अधिकार किया और लडाकू विमान से लेकर हेलीकॉप्टर और गाइडेड मिसाइल जैसी कई चीजों के उत्पादन का लाइसेंस हासिल किया। इसके बाद उसने ड्रोन क्रांति की, जिसमें निजी कंपनियों को शामिल किया। रक्षा उत्पादन में भी तुर्किए ने पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में काम किया। लेकिन ड्रोन का पूरा क्षेत्र निजी कंपनियों को दिया और यह सुनिश्चित किया कि वे उत्पादन करें, बिकवाने की गारंटी उसकी होगी। यानी तुर्किए उनके लिए बाजार और ग्राहक जुटाएगा। आज स्थिति यह है कि अपनी रक्षा जरुरतों के मामले में तुर्किए 80 फीसदी आत्मनिर्भर है। इतना ही नहीं तुर्किए आज 180 देशों को अपने हथियार बेचता है। पूरा अफ्रीका उसका बाजार है। वह मध्य एशिया, खाड़ी देशों के साथ साथ यूरोप को भी हथियार बेचता है। उसने देश के कई हिस्सों में डिफेंस प्रोडक्शन के कलस्टर बनाए हैं, जहां उत्पादन होता है।

भारत अगर आज इस मॉडल पर चलना शुरू होता है तो अब तकनीक और उत्पादन की रफ्तार दोनों इतनी तेज हो गई है कि उसे तुर्किए की तरह 40 साल नहीं इंतजार करना होगा। वह सिर्फ 10 साल में अपनी जरुरतों के लिए आत्मनिर्भर हो जाएगा और दुनिया के रक्षा से जुड़े उत्पाद बेचने लगेगा। भारत के पास पहले से डीआरडीओ और अन्य पीएसयू हैं, जो रक्षा उपकरण बना रहे हैं। भारत जो व्यापारिक संधियां कर रहा है उसमें प्रौद्योगिक हस्तांतरण, लाइसेंस्ड प्रोडक्शन, लोकल इंजीनियर और लोकल प्रोडक्शन, सोर्स कोड व डिजाइन पर कंट्रोल आदि की शर्तें रखवाता है और निजी व सरकारी कंपनियों को इस काम में शामिल करता है तो बहुत जल्दी भारत में भी एक बड़ा मिलिट्री डिफेंस कॉम्प्लेक्स विकसित हो सकता है। इसके अलावा भारत के पास इसरो के रूप में एक ऐसी संस्था है, जिसने पहले से पूरी दुनिया में अपना बाजार बनाया है। उसको राजनीति में घसीटने की बजाय उसे और मजबूत बनाया जाए तो वहां से दुनिया भर के सेटेलाइट लॉन्च होंगे, जिनसे भारत को आय होगी। भारत की बड़ी समस्या यह है कि यहां के अरबपति, खरबपति सब यही के 140 करोड़ लोगों की जेब से पैसे निकालने और सरकारी व प्राकृतिक संपदा का दोहन करके अपना खजाना भरने में लगे हैं। वे शोध व विकास यानी आरएंडडी पर धेला खर्च नहीं करते हैं। वे कोई जोखिम नहीं लेते हैं। उनकी सारी कमाई दुनिया की बड़ी कंपनियों का माल बेच कर है या सरकारी ठेके हासिल करने से है। सरकार खुद भी आरएंडडी पर बहुत कम खर्च करती है।

सरकार रिसर्च पर अपना खर्च बढ़ाए, शिक्षण संस्थाओं को बेहतर करे और निजी सेक्टर को निवेश करने के लिए प्रेरित करे तब भी भारत की निर्भरता दूसरे देशों पर कम होगी और उसके बाद भारत अपना सामान बाहर बेचने लायक बनेगा।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी।

वृष राशि : आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी, इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा।

मिथुन : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज भाई या बहन से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाए आज ऑलाईन नयी डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है। आपकी सलाह से दूसरों को फायदा होगा। आज आपको नए इनकम सोर्स मिल सकते हैं।

सिंह राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कुछ समय के लिए रुक सकते है, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आपको किसी दोस्त का सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को और खुशनुमा बनायेगा। आज आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी। आप नया कारोबार शुरू करने की सोच रहे हैं तो किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें, आपको अच्छी राय मिलेगी।

कन्या राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्ते के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। परिवार से जुड़ी समस्या खत्म होने के योग हैं। आप नए सिरे से कोशिश करेंगे तो आप सफल हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना बेहतर साबित होगा। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वे काम समय पर पूरा हो जायेंगे। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नयें व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आगे चलकर बेहद काम आयेंगी।

मकर राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए। किसी बात को लेकर ज्यादा जिद्द करने से बचना चाहिए।

कुंभ राशि : आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। सभी आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बडों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा।

विकसित भारत बनाने में भारतीय रेल परियोजनाओं को मिली नई रफ्तार

विनोद कुमार सिंह

मोदी सरकार के आम बजट मे मिशन और केन्द्रीय रेल अश्विनी वैष्णव का ऐतिहासिक विजन में भारतीय रेल देश की आर्थिक रीढ़ व विकसित भारत बनाने में मिल का पत्थर साबित होगा

वैश्विक मानचित्र पर आए दिनों चर्चा व चिन्तन भारत का होना आम बात है, लेकिन इन दिनों आम बजट मे रेल मंत्रालय को आवांटित राशि को ले चहूँ दिशाओं में विकाश की तेज रफ्तार व सीटी सुनाई पड़ने लगी है। केन्द्रीय बजट 2026-27 लोकसभा में प्रस्तुत हो चुका है और यह बजट केवल सरकार के आय-व्यय का लेखा नहीं,बल्कि भारत के भविष्य का वह निर्णायक दस्तावेज है जो देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को नई शक्ति देता है। इस बजट का सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली पक्ष यह है कि भारतीय रेल को केन्द्र में रखकर मोदी सरकार ने राष्ट्र निर्माण की गति को और तेज करने का स्पष्ट संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत मिशन और केन्द्रीय रेलमंत्रीअश्विनी वैष्णव का आधुनिक रेलवे विजन अब कागजों की योजना नहीं,बल्कि बजट की ठोस घोषणाओं और रिकॉर्ड निवेश के माध्यम से यथार्थ की धरातल पर उतरता दिखाई दे रहा है। भारतीय रेल आज अपने यात्रियों को गंतव्य तक पहुँचाने वाली व्यवस्था नहीं रह गई, बल्कि यह भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़,उद्योगों की जीवनरेखा,कृषि बाजारों की शक्ति और रोजगार सृजन का सबसे बड़ा इंजन बन चुकी है। आप को मै स्पष्ट कर दुँ किवर्ष 26- बजट में भारतीय रेल को लगभग 2.78 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत आवंटन प्राप्त हुआ है,जो भारतीय रेल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार माना गया है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस निवेश को देश की आर्थिक पटरी पर तेज रफ्तार विकास का विजय घोष कहा

है। सर्वविदित रहे कि पिछले दशक में रेलवे में जिस स्तर पर परिवर्तन आया है,वह स्वतंत्र भारत में अभूतपूर्व है। रेलवे नेटवर्क का विस्तार,नई तकनीक का समावेश,स्टेशन पुनर्विकास,हाई- स्पीड रेल परियोजनाएँ और हरित ऊर्जा की दिशा में कदम- यह सब भारत को एक नई रेल क्रांति की ओर ले जा रहा है। रेल बजट 2026-27 का सबसे बड़ा आकर्षण सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा है। ये कॉरिडोर भारत के औद्योगिक केन्द्रों,व्यापारिक शहरों, कृषि उत्पादन क्षेत्रों और निर्यात हब को तेज गति से जोड़ेंगे। हाई-स्पीड रेल नेटवर्क केवल यात्रियों के समय की बचत नहीं करेगा,बल्कि यह निवेश आकर्षण,उद्योग विस्तार, पर्यटन विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के तीव्र उत्थान का माध्यम बनेगा। जब शहरों के बीच दूरी घटती है,तब व्यापार की गति बढ़ती है,नए रोजगार के अवसर पैदा होते है। इससे आर्थिक गतिविधियाँ कई गुना तेज हो जाती हैं। दिल्ली-वाराणसी, वाराणसी- सिलीगुड़ी जैसे कॉरिडोर उत्तर भारत और पूर्वी भारत की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखते हैं। यह विकसित भारत की ओर बढ़ते कदमों का सबसे बड़ा संकेत है। इसी बजट में हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना को आगे बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। भारत अब केवल परंपरागत डीजल इंजनों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। हाइड्रोजन ट्रेनें पर्यावरण अनुकूल,ऊर्जा दक्ष और भविष्य की परिवहन प्रणाली का प्रतीक हैं। इससे प्रदूषण घटेगा, ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी और भारत हरित परिवहन क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह वही सोच है जो विकसित राष्ट्रों की पहचान बन चुकी है। अब भारत भी उसी दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। बुलेट ट्रेन परियोजना को भी बजट 2026-27 में नई ऊर्जा मिली है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और आधुनिक राष्ट्र निर्माण की पहचान बन चुकी है। बुलेट ट्रेन केवल एक रेल सेवा नहीं,बल्कि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, निवेश सामर्थ्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में इसका विस्तार भारत को हाई-स्पीड ट्रांसपोर्ट के वैश्विक मानचित्र पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

रेलवे विद्युतीकरण भी इस बजट का एक मजबूत स्तंभ है। सरकार का लक्ष्य है कि भारतीय रेल नेटवर्क पूर्णतः विद्युतीकृत होकर ऊर्जा दक्ष, तेज,सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बने। विद्युतीकरण से परिचालन लागत घटेगी,माल ढुलाई क्षमता बढ़ेगी और भारत का लॉजिस्टिक्स सेक्टर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत होगा। रेलवे की गति केवल ट्रेनों की रफ्तार नहीं बढ़ाएगी,बल्कि यह भारत की आर्थिक गति को भी तेज करेगी। रेल बजट 2026-27 का सबसे प्रत्यक्ष और जनसरोकार से जुड़ा पक्ष अमृत भारत स्टेशन योजना है। देशभर में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेशन अब केवल प्लेटफॉर्म नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक यात्री सुविधा केन्द्र,व्यापारिक गतिविधियों के हब और स्थानीय रोजगार के केन्द्र बनेंगे। छोटे शहरों और कस्बों में स्टेशन विकास से होटल,टैक्सी, दुकानें,स्थानीय हस्तशिल्प, खानपान उद्योग और पर्यटन व्यवसाय को नया जीवन मिलेगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 04 फरवरी 2026,नर्मदापुरम, होशंगाबाद

दैनिक क्षितिज किरण 5

'आत्मविश्वास हो तो सबकुछ संभव..',अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि आत्मविश्वास वह शक्ति है, जो हर लक्ष्य को संभव बनाती है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह विचार साझा किए। प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय में आया है, जब कुछ ही घंटे पहले भारत और अमेरिका के बीच एक अहम व्यापार समझौते पर सहमति बनी है। इस समझौते के तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगाए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर राजी हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर हिंदी में लिखा कि आत्मविश्वास वह शक्ति है, जिसकी बदौलत सब कुछ संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों में यही आत्मविश्वास विकसित भारत के सपने को साकार करने में बेहद उपयोगी साबित होगा। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ एक संस्कृत श्लोक भी साझा किया, जिसमें धन के सदुपयोग और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान की बात कही गई है। श्लोक का आशय है कि धन नेक कार्यों से अर्जित होता है, साहस और आत्मविश्वास से बढ़ता है, कौशल और दक्षता से स्थिर रहता है और अनुशासन के साथ सुरक्षित रहकर राष्ट्र की प्रगति में योगदान देता है।इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की जानकारी दी थी। ट्रम्प ने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को अपना करीबी मित्र बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच यह समझौता

आपसी दोस्ती और सम्मान के आधार पर किया गया है।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह पर भारत पर लगाए गए पारस्परिक शुल्क को घटाने का फैसला लिया गया है। ट्रम्प की पोस्ट के बाद देर रात तक भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी, हालांकि बाद में प्रधानमंत्री मोदी के पोस्ट से दोनों नेताओं के बीच बातचीत की पुष्टि हुई।

कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे के हेलिकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी, आनन-फानन में लिया गया ये फैसला

संभाजीनगर (आरएनएस)। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए अजित पवार के विमान हादसे के बाद नेताओं में हवाई यात्रा को लेकर सतर्कता और डर का माहौल बना हुआ है। इसी बीच संभाजीनगर से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां बीजेपी नेता और कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे के हेलिकॉप्टर में उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी का पता चला। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पंकजा ने तुरंत अपनी यात्रा रोक दी। पायलट की समय रहते दी गई चेतावनी के कारण एक संभावित खतरा टल गया, जिसके बाद पंकजा मुंडे ने कुछ देर के लिए अपनी यात्रा स्थगित कर दी।जानकारी के मुताबिक, पंकजा मुंडे को जिला परिषद चुनाव प्रचार के सिलसिले में संभाजीनगर से लातूर जाना था। वह हेलिकॉप्टर से रवाना होने ही वाली थीं कि पायलट ने मशीन में तकनीकी गड़बड़ी की सूचना दी। हालिया हादसों को देखते हुए उन्होंने उसी हेलिकॉप्टर से जाने का जोखिम नहीं उठाया। बाद में प्रशासन और उनकी टीम ने तय किया कि वह अब दूसरे हेलिकॉप्टर के जरिए लातूर की मीटिंग में शामिल होंगी ताकि चुनाव प्रचार प्रभावित न हो। गौरतलब है कि हाल ही में बारामती में हुए एक दर्दनाक प्लेन क्रैश में एनसीपी नेता और तत्कालीन डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने वाटसऐप की डेटा शेयरिंग नीति पर जताई सख्त आपत्ति, कहा-निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को WhatsApp और Meta की डेटा-शेयरिंग प्रैक्टिस पर गंभीर चिंता जताई। यह सुनवाई कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) के उस आदेश से

जुड़ी अपीलों के एक बैच पर हो रही थी, जिसमें WhatsApp की 2021 की "या तो मानो या छोड़ दो" प्राइवेसी पॉलिसी के लिए Meta पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने WhatsApp और Meta द्वारा दायर अपीलों के साथ-साथ NCLAT के एक फैसले को चुनौती देने वाली CCI की एक अलग अपील पर सुनवाई करते हुए कहा-हम जानकारी का एक भी टुकड़ा शेयर करने की इजाज़त नहीं देंगे। आप इस देश में निजता के अधिकार के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। इस प्रैक्टिस को संवैधानिक व्यवस्था का मज़ाक बताते हुए, कोर्ट ने सवाल किया कि जब यूज़र्स को प्रभावी रूप से या तो मानो या छोड़ दो के आधार पर पॉलिसी स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो सहमति को वैध कैसे माना जा सकता है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि कंपनियों के खिलाफ यह बात कही गई थी कि ली गई सहमति बनाई हुई सहमति थी।

दर्दनाक हादसा : उत्तराखंड में खाई में गिरी हिमाचल रोडवेज की बस, 3 की मौत-कई घायल; रेस्क्यू जारी

देहरादून(आरएनएस)। मंगलवार सुबह हिमाचल प्रदेश के चौपाल-नेरवा से पांवटा जा रही एचआरटीसी की एक बस क्वानू के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रुप से घायल हो गए।यह बस सुबह साढ़े छह बजे चौपाल डिपो से पहले नेहवा पहुंची और उसके बाद मीनस-क्वानू-हरिपुर रूट से पांवटा जा रही थी। बस में तीस से अधिक लोग सवार बताए जा रहे हैं। घटना सुबह करीब दस बजे की बताई जा रही है।मीनस-क्वानू-हरिपुर मार्ग पर सुदोई खड्ड के पास ट्रक को साइड देने के चक्कर में सड़क का पुश्ता धंसने से सवारियों से भरी एचआरटीसी की बस खाई में कई पलटे खाने के बाद सीधे खड्ड में जा गिरी। स्थानीय लोग राहत एवं बचाव कार्य के लिए मौके पर जुटे हैं। घटना की सूचना से पुलिस प्रशासन व एसडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हो गई।

अनंत सिंह विधानसभा पहुंचकर विधायक पद की शपथ ली, नीतीश के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

पटना (आरएनएस)। मोकामा से निर्वाचित विधायक अनंत सिंह ने मंगलवार को बिहार विधानसभा में विधायक पद की शपथ ग्रहण कर ली। शपथ लेने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। बाहुबली विधायक के रूप में चर्चित अनंत सिंह को पटना सिविल कोर्ट ने विधानसभा में शपथ लेने की अनुमति दी थी। इसके बाद मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें विधानसभा लाया गया। विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही शुरू होने के बाद उन्होंने विधायक पद की शपथ ली। विधानसभा परिसर और आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। दुलारचंद यादव हत्याकांड में उन्हें अब तक जमानत नहीं मिली है। कोर्ट ने शपथ समारोह के अलावा किसी भी अन्य गतिविधि में शामिल होने की अनुमति नहीं दी है। शपथ के बाद उन्हें वापस बेऊर जेल भेजा जाएगा। अनंत सिंह को जेल से विधानसभा तक लाने और वापस ले जाने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। एस्कॉर्ट वाहन और क्विक रिस्पॉन्स टीम को तैनात किया गया था। विधानसभा परिसर के अंदर और बाहर अतिरिक्त पुलिस बल मौजूद रहा। उनके समर्थकों के किसी भी तरह के जमावड़े पर पूरी तरह रोक लगाई गई थी।पिछले साल हुए बिहार विधानसभा चुनाव में अनंत सिंह मोकामा विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। जीत के बाद अनंत सिंह शपथ न ले पाने के कारण सदन से बाहर थे। मंगलवार को शपथ लेने के साथ ही उनकी विधायकी औपचारिक रूप से शुरू हो गई।मीडिया से बातचीत में अनंत सिंह ने कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं होने के कारण शपथ लेने में देरी हुई। उन्होंने बताया कि अदालत की अनुमति मिलने के बाद ही वे विधानसभा पहुंचे हैं। अनंत सिंह ने न्यायालय पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि जेल से बाहर आना उनके हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि जब जज साहब चाहेंगे, तभी वे जेल से बाहर आएंगे। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं।

मनाली से लेह तक का सफर 98 घंटे में दौड़कर किया पूरा, अजमेर की सुफिया को मिला गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

अजमेर (आरएनएस)। भारतीय अल्ट्रा-डिस्टेंस रनर सुफिया सूफी के लिए लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। राजस्थान के अजमेर की रहने वाली 38 वर्षीय सुफिया को मनाली-लेह के बेहद कठिन और ऊंचे रास्तों को दौड़कर पार करने के लिए औपचारिक रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट मिल गया है। उन्होंने 480 किलोमीटर की यह जानलेवा दूरी महज 98 घंटे और 27 मिनट में पूरी की थी। यह एक ऐसा कारनामा है जिसे अब तक कोई और महिला एथलीट अंजाम नहीं दे पाई है। सुफिया ने 100 घंटे के सांकेतिक बेंचमार्क को तोड़ते हुए सबसे तेज महिला रनर बनने का गौरव हासिल किया है।

बर्फ और ऑक्सीजन की कमी के बीच जीती जंग

सुफिया का यह रिकॉर्ड इंसानी सहनशक्ति की मिसाल है। मनाली से लेह तक के इस रूट पर दौड़ना लोहे के चने चबाने जैसा है। इस सफर में रोहतांग और तंगलांग ला जैसे पांच ऊंचे हिमालयी दर्रे शामिल हैं। दौड़ के दौरान उन्हें 8,500 मीटर से अधिक की चढ़ाई (Elevation gain), कड़ाके की ठंड और माइनस डिग्री तापमान का सामना करना पड़ा। इतनी ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर समुद्र तल के मुकाबले काफी कम होता है, जिससे सांस लेना दूभर हो जाता है। इन तमाम चुनौतियों के बावजूद सुफिया ने न केवल दौड़ पूरी की, बल्कि इतिहास भी रच दिया।

सर्टिफिकेट मिलने में लग गए दो साल

दिलचस्प बात यह है कि सुफिया ने यह दौड़ 2023 में ही पूरी कर ली थी और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे तभी मान्यता भी दे दी थी। लेकिन, प्रशासनिक कारणों और डिलीवरी चैनल्स में कस्टम क्लियरेंस की दिक्कतों के चलते असली सर्टिफिकेट अब, यानी 2026 की शुरुआत में उन तक पहुंचा है। सर्टिफिकेट मिलते ही सुफिया ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की और अपने स्पॉन्सर्स व सपोर्ट करू का धन्यवाद किया।

जेल में बंद जेडी(यू) विधायक अनंत सिंह, बीच में, पटना में बिहार विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने के लिए पहुंचे।

सरपंच बनने की सनक ने बनाया कातिल, पिता ने 6 साल की मासूम को नहर में फेंककर उतार दिया मौत के घाट

नांदेड़ (आरएनएस)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले से मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहाँ पंचायत चुनाव में सरपंच पद का चुनाव लड़ने की चाहत ने एक पिता को इतना अंधा कर दिया कि उसने अपनी ही 6 साल की मासूम बेटी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस जांच में जो सच सामने आया है, वह बेहद चौंकाने वाला है। आरोपी को डर था कि तीन बच्चे होने के कारण वह 'दो बच्चों के नियम' के तहत पंचायत का चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित हो जाएगा, इसलिए अपनी दावेदारी पक्की करने के लिए उसने अपनी एक संतान की बलि चढ़ा दी।

दो बच्चों का कानून बन रहा था रोड़ा

नांदेड़ के केरूर गांव का रहने वाला 28 वर्षीय आरोपी पांडुरंग कोंडमंगले पेशे से एक सैलून चलाता है। पांडुरंग के तीन बच्चे थे, जिनमें 6 साल की दो जुड़वां बेटियां और एक 3 साल का बेटा शामिल है। पांडुरंग की दिली ख्वाहिश थी कि वह गांव का सरपंच बने, लेकिन महाराष्ट्र का पंचायत राज कानून उसके सपनों के आड़े आ रहा था। इस कानून के

मुताबिक, दो से अधिक संतान होने पर कोई भी व्यक्ति पंचायत चुनाव नहीं लड़ सकता है। इसी अयोग्यता से बचने के लिए उसने अपनी ही बेटी को रास्ते से हटाने का फैसला किया।

मौजूदा सरपंच के साथ मिलकर रची साजिश

पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि इस जघन्य अपराध में पांडुरंग अकेले नहीं था, बल्कि गांव का वर्तमान सरपंच गणेश शिंदे भी उसका साथ दे रहा था। दोनों ने मिलकर समस्या का समाधान खोजने की कोशिश की। पहले उन्होंने बच्ची को कहीं लावारिस छोड़ने या किसी को गोद देने का विचार किया, लेकिन जन्म प्रमाण पत्र में नाम दर्ज होने की वजह से उन्हें भविष्य में कानूनी पचड़े में फंसने का डर था। अंतत: सत्ता के लालच में दोनों ने मिलकर मासूम बच्ची की हत्या की खौफनाक साजिश रच डाली।योजना के तहत पांडुरंग अपनी बेटी को बाइक पर बैठाकर तेलंगाना के निजामाबाद जिले में स्थित निजामसागर नहर तक ले गया। वहां उसने बेरहमी से अपनी ही कलेजे के टुकड़े को नहर के गहरे पानी में धकेल दिया। पास के खेतों में काम कर रहे लोगों ने कुछ गिरने की आवाज सुनी और जब वे वहां पहुंचे, तो बच्ची का शव पानी में तैरता मिला। पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए शव की पहचान कराई। जब पुलिस आरोपी तक पहुंची, तो उसने पहले बच्ची के इलाज के लिए बाहर जाने का बहाना बनाया, लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे वह टूट गया और अपना जुर्म कबूल कर लिया।

असम राज्य आंगनवाड़ी कर्मी के सदस्यों ने गुवाहाटी के चचल में केंद्रीय बजट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ का बजट गांव, गरीब और किसानों के हित में होगा

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत 23 फरवरी से होने जा रही है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इसे लेकर कहा है कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिए ज्ञान और गति के बाद अब विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में बजट पेश किया जाएगा। बजट में गांव, गरीब और किसानों पर फोकस होगा। कांग्रेस द्वारा यह सवाल उठाए जाने पर कि केंद्रीय बजट से छत्तीसगढ़ को क्या मिला वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अब सवाल करने की नैतिकता नहीं बची है। ओपी चौधरी ने कहा कि विकसित भारत के लिए शानदार केंद्रीय बजट पेश किया गया है और उसमें छत्तीसगढ़ को बहुत कुछ मिला है। वित्त मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस के कई नेता पर्दे के पीछे सरकार के कामों की तारीफकरते हैं और यह भी कहते हैं कि उनकी पार्टी के लोग उल्टा-सीधा काम करते हैं।

कम दृश्यता के कारण इंडिगो की उड़ानों पर असर, यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के कई हिस्सों में खराब मौसम के कारण विमान सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इसी कड़ी में देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने मंगलवार को यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो ने बताया कि देहरादून, हैदराबाद और अगरतला में कम दृश्यता की स्थिति बनी हुई है, जिसका सीधा असर उड़ानों के संचालन पर पड़ा है। इन शहरों से आने-जाने वाली फ्लाइट्स के प्रस्थान (डिपार्चर) और आगमन (अराइवल) में देरी हो सकती है। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति को लेकर सतर्क रहें और इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से नियमित रूप से अपडेट लेते रहें। इंडिगो ने भरोसा दिलाया है कि उनकी ग्राउंड और कस्टमर सपोर्ट टीमें यात्रियों की हर संभव सहायता के लिए तत्पर हैं और पूरे सफर के दौरान सहयोग प्रदान करेंगी। इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए एक पोस्ट में लिखा, देहरादून, हैदराबाद और अगरतला में कम विजिबिलिटी के कारण फ्लाइट शेड्यूल प्रभावित हुआ है। इन शहरों से आने-जाने वाली फ्लाइट्स में देरी हो सकती है, क्योंकि हम खराब मौसम की स्थिति से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि हमारी वेबसाइट या ऐप के ज़रिए अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करते रहें। निश्चिंत रहें, हमारी टीमें हर कदम पर आपकी मदद करने और सहायता देने के लिए मौजूद हैं। इंडिगो ने पोस्ट में आगे लिखा, हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और उम्मीद है कि आसमान जल्द ही साफ हो जाएगा, जिससे आगे की यात्रा सुचारू रूप से हो सकेगी। आपके धैर्य और हम पर भरोसा रखने के लिए धन्यवाद। इससे पहले, श्रीनगर में हो रही भारी बर्फबारी के चलते भी हवाई सेवाएं प्रभावित हुई थीं। इसी कड़ी में पिछले मंगलवार को एयर इंडिया और इंडिगो दोनों एयरलाइंस ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह दी थी। लगातार बर्फबारी के चलते श्रीनगर आने-जाने वाली कई उड़ानों के संचालन में दिक्कतें आ रही थीं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही, दोनों एयरलाइंस ने यात्रियों को आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की सलाह दी थी।

छत्तीसगढ़ में महंगी होगी शराब! ड्यूटी दरें बढ़ी, देने होंगे ज्यादा पैसे

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार ने नई आबकारी नीति में ड्यूटी दरें बढ़ा दी हैं, जिससे राजस्व ज्यादा होने का अनुमान है। अब देशी और विदेशी दोनों तरह की शराब पर टैक्स ड्यूटी बढ़ा दी है। महंगी शराब पीनों वालों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है, अब छत्तीसगढ़ सरकार ने आबकारी नियमों में बड़ा बदलाव किया है. राज्य सरकार ने ड्यूटी दरें बढ़ा दी हैं। नई ड्यूटी दरें छत्तीसगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित कर दी गई हैं। अब जितनी महंगी शराब होगी, उतना ज्यादा ही टैक्स देना होगा। छत्तीसगढ़ में अब एक अप्रैल 2026 से शराब पर नई ड्यूटी दरें लागू होंगी। देशी और विदेशी दोनों शराब पर ड्यूटी टैक्स बढ़ा गया है। विदेशी शराब की कीमत के हिसाब से अलग-अलग ड्यूटी तय की गई है। महंगी शराब पर अब ज्यादा टैक्स देना होगा। बीयर और रेडी-टू-ड्रिंक पेय पर भी नई दरें लागू होंगी। इसके अलावा आबकारी नीति में सेना और अर्धसैनिक बलों के लिए न्यूनतम ड्यूटी दर की तय की गई है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामला : हमले से पहले बिश्नोई गैंग ने की थी रेकी, स्कूटर से की गई निगरानी

मुंबई (आरएनएस)।निर्देशक और प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस ने पाया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े आरोपियों ने हमले से पहले रोहित शेट्टी के घर और आसपास के इलाके की कई दिनों तक रेकी की थी। जांच में सामने आया कि रेकी उसी स्कूटर से की गई थी, जिसका इस्तेमाल फायरिंग के दौरान भागने के लिए किया गया। अज्ञात शूटर ने पांच राउंड फायरिंग की और उसी स्कूटर पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। वह विले पार्ले रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां स्कूटर छोड़कर ट्रेन से मुंबई से बाहर निकल गया। पुलिस के अनुसार, अपराध में इस्तेमाल स्कूटर पुणे से 30 हजार रुपए में खरीदा गया था। स्कूटर मूल रूप से आनंद मारोटे के नाम पर रजिस्टर्ड था, जिसने इसे 6 अगस्त 2009 को खरीदा था। घटना से करीब 12 दिन पहले मारोटे ने स्कूटर गिरफ्तार आरोपी आदित्य गायकवाड़ को 30 हजार रुपए में बेच दिया। पैसे कथित मास्टरमाइंड शुभम लोनकर ने दिए थे।क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपी समर्थ पोमाजी के निर्देश पर सिद्धार्थ येनपुरे और स्वप्नील सकट ने स्कूटर को सड़क मार्ग से पुणे से लोनावाला लाने की कोशिश की, ताकि इसे शूटर को सौंपा जा सके। हालांकि शूटर लोनावाला नहीं पहुंच सका, इसलिए आरोपियों ने घटना से लगभग 10 दिन पहले स्कूटर मुंबई पहुंचाकर अज्ञात शूटर को सौंप दिया। इसके लिए उन्हें अतिरिक्त पैसे दिए गए। पुलिस ने बताया कि मुंबई में स्कूटर पहुंचाने वाले आरोपियों को पता था कि यह आपराधिक साजिश का हिस्सा है, लेकिन उन्हें नहीं मालूम था कि टारगेट रोहित शेट्टी का घर है। जांच में यह भी सामने आया कि समर्थ पोमाजी ने मुख्य शूटर की सक्रिय मदद की।

छोटी सी टू-पीस ड्रेस में अवनीत कौर की कातिलाना अंदाज, कर्वी फिगर पर अटकी फैंस की निगाह

टीवी और बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी स्टाइलिश तस्वीरों से सोशल मीडिया पर हमेशा चर्चा में रहती हैं. एक्ट्रेस का ग्लैमरस अंदाज देखने के लिए फैंस हर बार एक्साइटेड रहते हैं और इस बार भी अवनीत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से इंटरनेट का तापमान और बढ़ा दिया है.

अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ दिलकश तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं. इन फोटोज में एक्ट्रेस ब्राउन कलर की छोटी टू-पीस ड्रेस में नजर आ रही हैं. आउटफिट में अवनीत ने बेबाकी से अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है, जिसे देखकर फैंस का ध्यान उन पर से हट ही नहीं रहा है.

उनकी कॉन्फिडेंस, पोज और फील ने तस्वीरों को और भी शानदार बना दिया है. अवनीत की ये तस्वीरें कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं और कमेंट सेक्शन में तारीफों की बरसात शुरू हो गई.अवनीत ने अपने ग्लैमरस लुक को और खूबसूरत बनाने के लिए ग्लोसी मेकअप, खुले सिल्की बाल और गले में पर्ल नेकलेस पहना है. उनका ये सॉफ्ट और एलिगेंट स्टाइल उनके बोल्ड आउटफिट के साथ एक परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बना रहा है.अवनीत का तस्वीरों में दिया हर एंगल में पोज फैंस को अट्रैक्ट कर रहा है और फैंस उनकी अदाओं पर जैसे फिदा हो गए हो, वो एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए कमेंट सेक्शन में खूब प्यार लुटा रहे हैं, हार्ट से लेकर फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं,इन तस्वीरें शेयर करते हुए अवनीत कौर ने कैप्शन में लिखा, ब्राउन टोन... और इसके साथ एक ब्राउन हार्ट इमोजी भी बनाई. उनके इस सिंपल कैप्शन ने भी फैंस का ध्यान खींच लिया, जिसे यूजर खूब पसंद कर रहे हैं.अवनीत कौर की इन फोटोज ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. पोस्ट पर दो लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट्स में लोग उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं. उन्हें, गॉर्जियस , स्टनिंग , फायर जैसे कमेंट्स की लाइन लग गई है.काम की बात करें तो अवनीत कौर को हाल ही में बॉलीवुड फिल्म लव इन वियतनाम में एक्टर शांतनु माहेश्वरी के साथ देखा गया था. इसके अलावा वह कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ी हुई हैं और जल्द ही नए अवतार में दर्शकों को एंटरटेन करती नजर आएंगी.

ओ रोमियो का नया गाना इश्क का फीवर जारी, अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

विशाल भारद्वाज की फिल्म ओ रोमियो रिलीज के लिए तैयार है। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी अभिनीत इस फिल्म के अब तक दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें काफी पसंद भी किया गया। अब फिल्म निर्माताओं ने फिल्म का तीसरा गाना इश्क का फीवर रिलीज किया है, जिसे अरिजीत सिंह ने गाया है। जी हां! अरिजीत सिंह, जिन्होंने हाल ही में प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास की घोषणा की थी, अब एक नया गाना लेकर आए हैं। हालांकि, प्रशंसकों को अरिजीत की आवाज सुनकर खुशी तो हुई, लेकिन साथ ही वे इस बात को लेकर भी चिंतित नजर आ रहे हैं कि कहीं यह उनका आखिरी गाना तो नहीं है। ओ रोमियो के संगीतकार और निर्देशक विशाल भारद्वाज ने अरिजीत की प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था। वीडियो में विशाल और अरिजीत के साथ रेखा भारद्वाज भी नजर आ रही हैं, जबकि निर्देशक और संगीतकार इश्क का फीवर गाना गाते हुए दिखाई दे रहे हैं। और अब यह गाना रिलीज हो चुका है! ऐसे में अरिजीत सिंह के फैंस भी इमोशनल हो गए और सिंगर से अपना फैसला वापस लेने की अपील कर रहे हैं। कई ने वीडियो के कमेंट सेक्शन में कमेंट करते हुए सिंगर से वापसी की गुहार लगाते दिखे।अरिजीत सिंह और विशाल भारद्वाज ने हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे यादगार गाने एक साथ बनाए हैं, जैसे कि फिल्म हैदर का खुल कभी तो और रंगून का ये इश्क है। उनके गाने अपनी भावनात्मक गहराई के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें अक्सर गुलजार लिखते हैं। इस जोड़ी ने 2026 में आई फिल्म ओ रोमियो के हम तो तेरे लिए थे और इश्क का फीवर गानों में भी साथ काम किया है, जिनके रिलीज होने पर फैंस गाने पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं।हाल ही में सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान का उनका गाना मातृभूमि रिलीज हुआ है, जिसे उनके फैंस से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिसः भारत में 300 करोड़ का आंकड़ा पार, दूसरे सडे सनी देओल की फिल्म ने मचाया हाहाकार

सनी देओल की वार बेस्ड फिल्म बॉर्डर 2 ने 10 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर धमाका मचा दिया है. फिल्म ने अपने दूसरे संडे की कमाई से बॉक्स ऑफिस हिला डाला है. बॉर्डर 2 की आंधी में बीती 30 जनवरी को रिलीज हुई रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म मर्दानी 3 उड़ी चुकी है. चलिए जानते हैं बॉर्डर 2 की दसवें दिन की कमाई के बारे में.

बॉर्डर 2 ने दसवें दिन भारत में 24.22 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 301.89 करोड़ रुपये हो गया है.

सैकनिल्क की मानें तो, सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 अब वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये के कलेक्शन के करीब पहुंच रही है. फिल्म ने 10 दिनों में ओवरसीज में 45 करोड़ रुपये कमाए हैं और इससे फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 374 करोड़ रुपये हो गया है.हाल ही में, बॉर्डर 2 के हिट होने के दौरान फिल्म के तीसरे पार्ट बॉर्डर 3 का भी ऐलान हो चुका है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार किया जा रहा है. वहीं, बॉर्डर 2 की बात करें तो इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह लीड रोल में हैं. फिल्म में अक्षय खन्ना का भी कैमियो दिखाया जा रहा है.

मेहरीन पीरजादा ने शादी की अफवाहों पर बताई सच्चाई

एक्ट्रेस मेहरीन पीरज़ादा ने हाल ही में शादी की झूठी खबरों का ज़ोरदार खंडन किया है, और इन बेबुनियाद जानकारियों पर निराशा और गुस्सा ज़ाहिर किया है। एक साफ़ बयान में, मेहरीन ने मीडिया से ज़िम्मेदारी से काम करने की अपील की और ज़ोर देकर कहा कि वह अपनी कोई भी पर्सनल खबर खुद बताएंगी।

लगभग दो सालों तक, मेहरीन ने अपनी पर्सनल ज़िंदगी के बारे में बार-बार उड़ रही अफवाहों के बीच चुप रहना पसंद किया। लेकिन हाल ही में एक रिपोर्ट में एक अनजान व्यक्ति को उनका पति बताया गया, जिसके बाद उन्हें सामने आकर बोलना पड़ा। उन्होंने साफ़ किया, मेरी किसी से शादी नहीं हुई है, और इस कहानी को पूरी तरह से झूठा और दुख पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और मीडिया आउटलेट्स से झूठी कहानियाँ बनाना बंद करने को कहा।

मेहरीन ने ऐसी पर्सनल झूठी बातें फैलाने को गलत बताया और फैंस को भरोसा दिलाया कि सही समय आने पर वह अपनी ज़िंदगी के बारे में अपडेट शेयर करेंगी। उन्होंने कहा, जब मैं शादी करने का फैसला करूंगी, तो मैं खुद दुनिया को बताऊंगी। कृपया मुझ पर भरोसा करें और बिना किसी आधार के अफवाहें फैलाना बंद करें।

तेलुगु सिनेमा की उभरती हुई स्टार मेहरीन ने 2016 में नानी के साथ कृष्णा गाडी वीरा प्रेमा गाथा से डेब्यू किया और तुरंत पहचान बनाई। वह एफ2: फन एंड फ्रस्ट्रेशन, एफ3, पंथम और एंथा मंचिवादावुरा जैसी हिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। मेहरीन ने 2023 की वेब सीरीज़ सुल्तान ऑफ़ दिल्ली के साथ डिजिटल स्पेस में भी कदम रखा। अपने बयान से, मेहरीन को उम्मीद है कि गलत जानकारी फैलने से रुकेगी और उनकी प्राइवेसी बनी रहेगी।

सिनेमाघरों में जल्द ही भौकाल मचाने पूरी तरह तैयार मिर्जापुरः द फिल्म, मुन्ना-गुड्डू की संग छाएगी सचिव जी की दबंगई

मिर्जापुर एक ऐसी वेब सीरीज जिसने ओटीटी की दुनिया में आते ही तहलका मचा दिया और देखते ही देखते एक कल्ट फेनोमेनन बन गई। गालियां, सत्ता की भूख, खून-खराबा और दमदार किरदारों के साथ इस शो ने वो कारनामा कर दिखाया, जो बहुत कम सीरीज कर पाती हैं। दर्शकों से मिले जबरदस्त प्यार और ओटीटी पर इसकी रिकॉर्डतोड़ लोकप्रियता को देखते हुए अब मेकर्स ने इसे बड़े पर्दे पर लाने का फैसला कर लिया है। जल्द ही 'मिर्जापुर: द फिल्म' सिनेमाघरों में भौकाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'मिर्जापुर: द फिल्म' का इंतजार फैंस काफी लंबे समय से कर रहे थे। वेब सीरीज के तीन सफल सीजन के बाद अब दर्शक यह जानने के लिए बेताब हैं कि ओटीटी से सिनेमाघरों तक पहुंचते हुए इस कहानी में क्या नया देखने को मिलेगा। इसी बीच फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। हाल ही में मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह कन्फर्म कर दिया है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मेकर्स के मुताबिक फिल्म का आखिरी शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और अब प्रोजेक्ट

पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में पहुंच चुका है। यह अपडेट सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

'मिर्जापुर: द फिल्म' को लेकर बज का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह ऑरमैक्स सिनेमैटिक्स की मोस्ट अवेटेड हिंदी फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी है। इसका साफ मतलब है कि दर्शक इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फिलहाल मेकर्स ने फिल्म की कहानी को लेकर कोई बड़ा खुलासा नहीं किया है। हालांकि, इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म या तो सीरीज़ का प्रीक्वल हो सकती है या फिर उसी टाइमलाइन का एक अहम और बड़ा हिस्सा दिखा सकती है। यह भी कहा जा रहा है कि फिल्म का स्केल वेब सीरीज से कई गुना ज्यादा भव्य होगा। सत्ता की लड़ाई, खून-खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया और और भी खूनी खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे पर मिर्जापुर की दुनिया को और ज्यादा रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक तरीके से पेश किए जाने की पूरी तैयारी है।

फिल्म में 'मिर्जापुर' की जान माने जाने वाले किरदार एक बार फिर लौट रहे हैं। पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा इस बार कुछ नए चेहरों की भी एंट्री होने वाली है।

लेदर जैकेट को लंबे समय तक नए जैसा रखना है? इस तरह रखें उसका ख्याल

लेदर जैकेट महिलाओं और पुरुषों, दोनों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। ये जैकेट ठंड से तो बचाती ही हैं, साथ ही एक स्टाइलिश लुक भी देती हैं। हालांकि, इन जैकेट को सही से रखने और देखभाल करने की जरूरत होती है। ऐसा करने से ये लंबे समय तक नई जैसी बनी रहती हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार फैशन टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप अपनी लेदर जैकेट को साफ और नए जैसा रख सकते हैं।

लेदर जैकेट को साफ करने का तरीका

लेदर जैकेट को साफ करने के लिए साबुन का उपयोग न करें, क्योंकि इससे उसका रंग हल्का पड़ सकता है। साथ ही ऐसा करने से लेदर उधड़ने का भी डर रहता है। इसके बजाय गीले कपड़े का उपयोग करें और उससे जैकेट को हल्के हाथों से रगड़ें। अगर दाग लगा हो तो एक मुलायम ब्रश का उपयोग करके उसे हल्के हाथों से साफ कर लें। अगर जरूरत पड़े तो लेदर के लिए खासतौर पर बने सफाई वाले उत्पाद उपयोग करें।

ऐसे सुखाएं लेदर जैकेट

लेदर जैकेट को धूप में सुखाना सही नहीं होता है। ऐसा करने से उसका रंग बदल सकता है या वह सिकुड़ सकती है। बेहतर होगा कि आप अपनी लेदर जैकेट को हवा में सुखा लें। अगर बारिश या नमी की वजह से जैकेट गीली हो गई हो तो उसे कमरे के अंदर किसी हवादार जगह पर लटका दें, ताकि वह धीरे-धीरे सूख जाए। इससे जैकेट का आकार और रंग, दोनों ही सुरक्षित रहेंगे।

स्टोर करने का तरीका जानें

लेदर जैकेट को स्टोर करने के लिए प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करना चाहिए। इससे उसमें नमी आ सकती है और फफूंद लगने का खतरा रह सकता है। इससे अच्छा होगा कि आप इसे कपड़े के बैग में रखें, जो हवा को आर-पार कर सके। इसके अलावा जैकेट को हमेशा हेंगर पर लटकाएं, ताकि उसका आकार बना रहे और लेदर उधड़े न। कभी भी इसे ढीला न छोड़ें, क्योंकि इससे सिलाई कमजोर होती है और जैकेट खराब हो सकती है।

नियमित देखभाल करें

लेदर जैकेट की नियमित देखभाल करके आप उसे हमेशा नए जैसा रख सकते हैं। हर महीने इसे नम कपड़े से रगड़ें और अगर कोई दाग लगे हों तो उन्हें तुरंत साफ करें। साल में एक बार लेदर के लिए बने विशेष उत्पाद का उपयोग करके उसे साफ करें, ताकि उसकी चमक बरकरार रहे और वह मुलायम बनी रहे। इसके अलावा जैकेट को समय-समय पर पेशेवर रूप से साफ करवाना भी अच्छा होता है, ताकि वह हमेशा नई जैसी दिखे।

फिटिंग का ध्यान रखें

लेदर जैकेट पहनते समय ध्यान रखें कि वह ज्यादा टाइट न हो, क्योंकि इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है और आराम भी कम हो सकता है। सही फिटिंग वाली जैकेट चुनें, जो आपके शरीर की आकृति पर अच्छी लगे और आरामदायक हो। इन सरल सुझावों की मदद से आप अपनी लेदर जैकेट को लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं और ठंड के मौसम में स्टाइलिश दिख सकते हैं।

हरा चना होता है पोषण का भंडार, इससे बनाए जा सकते हैं ये लजीज पकवान

हरा चना एक पौष्टिक सब्जी है, जो विटामिन और खनिजों से भरपूर होती है। आमतौर पर लोग इसे सलाद या सूप के रूप में खाते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इससे कई अनोखे व्यंजन भी तैयार किए जा सकते हैं? इस लेख में हम आपको हरे चने से बनने वाले 5 भारतीय व्यंजनों की रेसिपी बताने वाले हैं। इन्हें खान-पान में शामिल करके आपको स्वाद के साथ-साथ पोषण भी मिलेगा।

हरे चने की चटनी

हरे चने की चटनी एक बेहतरीन साइड डिश हो सकती है, जो किसी भी व्यंजन का स्वाद बढ़ा सकती है। इसे तैयार करने के लिए हरे चनों को अच्छी तरह भून लें। इसके बाद उसमें हरी मिर्च, धनिया, अदरक, लहसुन का पेस्ट, नमक और नींबू का रस मिलाकर पीस लें। आप इसकी स्थिरता पतली करने के लिए इसमें पानी भी मिला सकते हैं। यह चटनी पराठों, डोसे या इडली के साथ खाने में बहुत स्वादिष्ट लगती है।

सलाद में मिलाएं

सलाद में हरा चना मिलाने से उसका पोषण स्तर बढ़ जाता है। आप कच्चे हरे चनों में टमाटर, खीरा, प्याज और नींबू का रस डालकर खा सकते हैं। यह सलाद न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसमें मौजूद फाइबर पाचन को भी स्वस्थ रखता है। इसके अलावा इसमें उच्च मात्रा में विटामिन और जरूरी खनिज होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं और रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ाते हैं।

हरे चने की टिक्की

हरे चने की टिक्की चाय के साथ खाने के लिए बेहतरीन स्नैक हो सकता है, जो बच्चों को खास तौर से पसंद आएगा। इसे बनाने के लिए उबले हुए हरे चनों को मैश करके उसमें आलू, बेसन, नमक, मिर्च, मसाले और धनिया पत्ती मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बनाकर तवे पर सेंक लें। टिक्की को दोनों तरह से भूरा और कुरकुरा होने तक सेकें। आप इसे अपनी पसंद की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

हरे चने का सूप

सूप में हरा चना डालने से उसका पोषण स्तर बढ़ जाता है और वह अधिक स्वादिष्ट बनता है। आप टमाटर या सब्जियों का सूप बनाते समय उसमें उबले हुए हरे चने मिला सकते हैं। इससे सूप में नया स्वाद आएगा, जो आपके मन को जरूर भाएगा। इसमें मौजूद विटामिन और जरूरी तत्व आपके शरीर को ऊर्जा देंगे और रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ाएंगे। आप चाहें तो केवल हरे चने का भी सूप बना सकते हैं।

हरे चने का पुलाव

अगर आप पुलाव बना रहे हैं तो उसमें भी हरा चना मिला सकते हैं। हरे चने का पुलाव बनाने के लिए बासमती चावल को धोकर भिगो दें। इसके बाद कढ़ाई में घी गर्म करके उसमें जीरा, तेजपत्ता, प्याज, टमाटर और मसाले डालकर अच्छी तरह भून लें। अंत में इसमें भिगोए हुए चावल और उबले हुए हरे चने डालें, फिर ढक्कन लगाकर धीमी आंच पर पकने दें। इस तरह आप अपने पुलाव को पौष्टिक बना सकते हैं।

अमेरिका में आंशिक शटडाउन का चौथा दिन, ट्रंप की सांसदों से फंडिंग मंजूरी के लिए वोट अपील

अमेरिका(आरएनएस)। अमेरिका में फिलहाल आंशिक रूप से शटडाउन लागू है। कुछ समय पहले ही अमेरिका में अब तक का सबसे लंबा शटडाउन लागू हुआ था। वहीं, 2026 के फंडिंग बजट को मंजूरी नहीं मिलने की वजह से एक बार फिर से आंशिक शटडाउन लागू हो गया है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सांसदों से आंशिक सरकारी शटडाउन को जल्दी खत्म करने की अपील की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने उठाए गए मुद्दों और चिंताओं पर अच्छी नीयत से काम करने का वादा किया है। यह शटडाउन ऐसे समय में हुआ है, जब डेमोक्रेटिक सांसद जनवरी में मिनियापोलिस में दो अमेरिकी नागरिकों की फायरिंग में मौत के बाद इमिग्रेशन ऑपरेशन में बदलाव की मांग कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से आंशिक शटडाउन खत्म करने की अपील की, लेकिन न तो रिपब्लिकन और न ही डेमोक्रेट सांसद मंजूरी देने के लिए तैयार दिखे। सांसदों में मिनियापोलिस में मारे गए दो लोगों को लेकर काफी आक्रोश है। उनकी मांग है कि पहले इमिग्रेशन एनफोर्समेंट ऑपरेशन को लेकर संसद में चर्चा की जाए।

डेमोक्रेट्स हाउस स्पीकर माइक जॉनसन को पैकेज को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी वोट देने से मना कर रहे हैं। मिनियापोलिस में इमिग्रेशन एजेंटों द्वारा दूसरे अमेरिकी नागरिक को गोली मारे जाने के बाद अमेरिकी सांसद ट्रंप सरकार के निष्कासन के लिए जारी ऑपरेशन पर नियंत्रण चाहते हैं।

सांसदों की पैकेज को लेकर अपनी शिकायतें हैं और फिर इमिग्रेशन और कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के ऑपरेशन को लेकर टकराव भी देखने को मिल रहा है। फंडिंग को मंजूरी देने के लिए मंगलवार को वोटिंग शुरू होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले चरम पर अपराध, हिंसा से जुड़े आंकड़े बेहद चिंताजनक

ढाका ,(आरएनएस)। बांग्लादेश में 13वें संसदीय चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। 12 फरवरी को होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारी भी जोरशोर से चल रही है। इन सबके बीच देशभर में भारी हिंसा देखने को मिल रही है। चुनावी हिंसा ने लोगों की चिंता को बढ़ा दिया है। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने 11 दिसंबर 2025 को चुनाव की तारीख का ऐलान किया था। इसके तुरंत बाद इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान बिन हादी की ढाका में दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। हादी की हत्या के बाद कई राजनीतिक हत्याएं देखने को मिलीं। बांग्लादेशी मीडिया ढाका ट्रिब्यून ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि शेड्यूल जारी होने के बाद से चुनाव से जुड़ी घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई है और 500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालांकि, मानवाधिकार संगठन ने लॉ एंड ऑर्डर की हालत बिगड़ने की रिपोर्ट दी है। 21 जनवरी को कैंपेन शुरू होने के बाद से उन्होंने चार मौतें, 414 घायल और झड़प की 51 घटनाएं दर्ज की हैं।निर्दलीय उम्मीदवार सलमान उमर रुबेल के समर्थक नजरुल इस्लाम की मैमनसिंह के धोबौरा के इरशाद बाज़ार में हत्या कर दी गई। जमात-ए-इस्लामी के सेक्रेटरी रेजाउल करीम की शेरपुर के श्रीबर्दी उपजिला में पीट-पीटकर और ईंटों से कुचलकर मौत हो गई। अचमिता यूनियन के पूर्व बीएनपी अध्यक्ष और कटियाडी, किशोरगंज-2 से पूर्व यूनियन परिषद सदस्य मोहम्मद कमाल उद्दीन और कंचन, रूपगंज, नारायणगंज में स्वैच्छिक दल के नेता अजहर की मौत हो गई। पुलिस हेडक्वार्टर की ओर से साझा आंकड़ों के अनुसार, 12 दिसंबर 2025 से लेकर 26 जनवरी 2026 तक कुल 144 हिंसा के मामले दर्ज किए गए हैं।

तेल खरीद पर ट्रंप के दावों की रूस ने खोली पोल, कहा- भारत से तो ऐसा कुछ भी नहीं सुना

मॉस्को (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद भारत-रूस संबंधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर चर्चा तेज हो गई है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते के तहत रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति दी है। हालांकि रूस ने इस दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि भारत की ओर से उन्हें ऐसा कोई आधिकारिक संदेश नहीं मिला है।

ट्रंप का बड़ा दावा

ट्रंप ने बताया कि अमेरिका और भारत के बीच एक नया व्यापार समझौता हुआ है, जिसके तहत अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात पर लगने वाला टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके जवाब में ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और अमेरिका से अधिक तेल खरीदेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत का रूस से तेल खरीदना यूक्रेन युद्ध में रूस को अप्रत्यक्ष मदद पहुंचा रहा है।

रूस की स्पष्ट प्रतिक्रिया

रूस के राष्ट्रपति कार्यालय (क्रेमलिन) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी वाले रिश्तों को बेहद अहम मानता है और उन्हें और मजबूत करना चाहता है। पेसकोव ने कहा, अब तक हमें भारत की ओर से रूस से तेल खरीदने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं मिला है।उन्होंने आगे कहा, हम द्विपक्षीय अमेरिकी-भारतीय संबंधों का सम्मान करते हैं, लेकिन रूस-भारत रणनीतिक साझेदारी हमारे लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारत के साथ हमारे संबंध अत्यंत मूल्यवान हैं और हम उन्हें आगे भी विकसित करना चाहते हैं।

तेल, कूटनीति और वैश्विक राजनीति

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से 2022 में भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा है। पश्चिमी देशों ने इसे लेकर नाराज़गी जताई और रूस की ऊर्जा आय को सीमित करने के लिए प्रतिबंध लगाए। भारत का रुख हमेशा यह रहा है कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हित प्राथमिकता में हैं।हालांकि, ट्रंप के दावे और रूस के इनकार के बीच स्थिति अभी अस्पष्ट है। भारत की ओर से इस मसले पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ऐसे में तेल, व्यापार और कूटनीति का यह विवाद अभी जारी रहने की संभावना है।

तीन दिवसीय अमेरिकी दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर, वाशिंगटन में मार्को रुबियो से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन ,(ए)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर न्यूयॉर्क पहुंचे हैं। वे महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग पर केंद्रित बातचीत के तहत मंगलवार को वाशिंगटन में विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात करेंगे। यह बैठक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच फोन पर बातचीत के एक दिन बाद हो रही है। इस बातचीत के बाद राष्ट्रपति ने भारत के साथ एक व्यापार समझौते की घोषणा की। इस घोषणा से दोनों पक्षों के बीच उच्च-स्तरीय मुलाकातों को और गति मिली है। एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, एस जयशंकर 2 फरवरी से 4 फरवरी तक की यात्रा में रुबियो की ओर से आयोजित महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय बैठक में भी हिस्सा लेंगे। इस बैठक में भागीदार देश सप्लाई चेन लचीलेपन और रणनीतिक सहयोग पर चर्चा करेंगे।

विदेश मंत्री इस यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क से वाशिंगटन जाएंगे। वह मंगलवार को रुबियो के साथ द्विपक्षीय बातचीत कर सकते हैं, जिसके बाद बुधवार को मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के सम्मेलन को संबोधित करने की उम्मीद है।द्विपक्षीय बातचीत में क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों सहित कई मुद्दों की समीक्षा होने की उम्मीद है। इनमें यूक्रेन में युद्ध से संबंधित घटनाक्रम और मध्य पूर्व की स्थिति, साथ ही आर्थिक और रणनीतिक सहयोग शामिल हैं। मंत्रिस्तरीय बैठक के अलावा, जयशंकर अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ सदस्यों से भी मिलेंगे।

तनाव के बीच अमेरिका का एफ-15 मिडिल ईस्ट लौटा, ईरानी ने की जवाबी तैयारी?

-ईरान का मल्टी लेयर सुरक्षा कवच देख पेंटागन के रणनीतिकारों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,(ए)। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अमेरिका का एफ1-15 मिडिल ईस्ट लौट आया है। जॉर्डन में इसे तैनात किया गया था और एफ15 ने ईरानी ड्रोन को गिराया था। इसके बाद अब यह वापस आ गया। 15 स्ट्राइक ईगल मिडिल ईस्ट में फिर से तैनात किया। अमेरिका द्वारा ईरान पर संभावित हमले की कारवाही के बीच ईरान ने अपनी हवाई सीमा को और ज्यादा सुरक्षित कर लिया है। ईरान ने अपने एयर डिफेंस को दुनिया के सबसे सघन और आधुनिक रक्षा नेटवर्क में तब्दील कर दिया है।

बता दें जून 2025 के 12 दिन तक चले संघर्ष में अपनी कमजोरियों को भांपने के बाद तेहरान ने इस बार रूस और अपनी स्वदेशी तकनीक के दम पर एक ऐसा मल्टी लेयर सुरक्षा कवच तैयार किया है जिसने पेंटागन के रणनीतिकारों को चिंता में डाल दिया है। ईरान ने ना सिर्फ रूसी एयर डिफेंस सिस्टम बल्कि अपने स्वदेशी वायु रक्षा तंत्र को भी मजबूत किया है। ईरान ने एक दो नहीं बल्कि पांच लेयर्स में डिफेंस सिस्टम्स तैनात किए हैं जो उसे एक अभैद्य सुरक्षा देते हैं।

समझौते से अमेरिकी किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे, ज्यादा पैसा आएगा

वाशिंगटन,(ए.)। भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है। अमेरिकी कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस ने दावा किया है कि इस समझौते के बाद अमेरिका भारत के बाजार में बड़े पैमाने पर अपने कृषि उत्पाद भेज सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे अमेरिकी किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे और ग्रामीण अमेरिका में ज्यादा पैसा पहुंचेगा। हालांकि भारत सरकार की ओर से इस समझौते की पूरी शर्तें सार्वजनिक नहीं की गई हैं, लेकिन अमेरिकी बयान के बाद भारत में राजनीतिक और किसान संगठनों की चिंता बढ़ गई है।मीडिया रिपोर्ट में रोलिंस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अमेरिकी किसानों के लिए नतीजे दिए हैं। उनके मुताबिक नया भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के विशाल बाजार में अमेरिकी कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ाएगा, जिससे कीमतें बेहतर होंगी और ग्रामीण अमेरिका की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। यह 'अमेरिका फर्स्ट' नीति की बड़ी सफलता है। 2024 में भारत के साथ अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा करीब 1.3 बिलियन डॉलर था।

खेल समाचार

भारत सरकार का धन्यवाद... पद्म श्री अवॉर्ड मिलने पर रोहित शर्मा ने बोली बड़ी बात

नईदिल्ली (आरएनएस)। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म श्री से सम्मानित होने पर आभार व्यक्त किया है. उन्होंने इसे अपने और अपने परिवार के लिए एक खास पल बताया और कहा कि वह भारत के लिए मैच जीतना जारी रखेंगे. इस अवॉर्ड को खास पल बताते हुए, रोहित ने भारत सरकार और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया जिन्होंने क्रिकेट में उनके पूरे सफर में उनका साथ दिया।

रोहित शर्मा ने कहा, पद्म श्री मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत खास पल है. मैं इस सम्मान के लिए भारत सरकार का धन्यवाद करता हूं. मैं उन सभी लोगों का भी आभारी हूं जिन्होंने मेरे करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. अपने देश के लिए मैच और ट्रॉफियां जीतने की मेरी कोशिश हमेशा जारी रहेगी. धन्यवाद, जय हिंद?

बता दें कि इस साल रोहित शर्मा समेत 8 खिलाड़ियों को पद्म अवॉर्ड के लिए चुना गया है. जिसमें पूर्व टेनिस स्टार विजय अमृतराज को पद्म भूषण और बाकी सात खिलाड़ियों को पद्म श्री अवॉर्ड मिला है. जिसमें भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का भी नाम शामिल है।

रोहित, जिन्होंने 2007 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था, पिछले 19 सालों में सभी फॉर्मेट में भारत के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं. उन्होंने एक बल्लेबाज और एक कप्तान दोनों के तौर पर भारतीय क्रिकेट पर एक महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है।

रोहित की कप्तानी में, भारत ने ग्लोबल स्टेज पर बड़ी सफलता हासिल की. ब्लू जर्सी वाली टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता, जिससे सबसे छोटे फॉर्मेट में आईसीसी खिताब के लिए लंबा इंतजार खत्म हुआ. एक साल बाद, भारत ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती, जिससे एक सफल लीडर के तौर पर रोहित की काबिलियत और मजबूत हुई।

कप्तान के तौर पर अपनी उपलब्धियों के अलावा, रोहित ने इंटरनेशनल क्रिकेट में एक शानदार बैटिंग रिकॉर्ड बनाया है. टेस्ट में, उन्होंने 67 मैचों में 12 शतकों सहित 4,300 से ज्यादा रन बनाए. वनडे इंटरनेशनल में, रोहित ने 282 मैचों में 33 शतकों के साथ 11,500 से ज्यादा रन बनाए. टी20 इंटरनेशनल में, उन्होंने पांच शतकों सहित 4,231 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिससे वह इस फॉर्मेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं.रोहित ने टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले लिया है, लेकिन वह अभी भी वनडे खेल रहे हैं और टीम के लिए रन बना रहे हैं क्योंकि उनका लक्ष्य 2027 में वर्ल्ड कप खेलना है।

जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने अभ्यास मैच में अमेरिका को हराया

नवी मुम्बई (आरएनएस)। नारायण जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले ही अभ्यास मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 38 रनों हरा दिया। इस मैच से बल्लेबाज तिलक वर्मा ने भी टीम में अच्छी वापसी की है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज जगदीशन ने केवल 55 मैचों में ही 104 रन बना दिये। अपनी इस पारी मे जगदीशन ने 11 चौके और 5 छक्के लगाये और अमेरिकी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत ए ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 238 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिकी टीम 19.4 ओवर में ही 200 रनों पर ही आउट हो गयी।

टी-20 विश्व कप: इन खिलाड़ियों ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने के साथ-साथ जीते हैं खिताब

नईदिल्ली(आरएनएस)। टी-20 विश्व कप के इतिहास में अब तक 2 भारतीय खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने हैं। जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली (2 बार) ऐसे भारतीय हैं, जिन्होंने ये मुकाम हासिल किया है। हालांकि, कोहली प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने (2014 और 2016) के दौरान खिताब नहीं जीत सके थे। इस बीच विश्व के उन खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने के साथ ही खिताब जीतने में भी सफलता हासिल की है।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम पहली बार 2010 में विजेता बनी थी। पॉल कोलिंगवुड की कप्तानी में खेलते हुए इंग्लैंड ने फाइनल में 7 विकेट से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। उस संस्करण में केविन पीटरसन का बल्ला खूब चला था। इस पूर्व आक्रामक बल्लेबाज ने 6 पारियों में 62.00 की औसत और 137.77 की स्ट्राइक रेट के साथ 248 रन बनाए थे। उन्होंने 73* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 2 अर्धशतक भी अपने नाम किए थे।

टी-20 विश्व कप 2021 में ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर ने 7 मैच की 7 पारियों में 146.70 की स्ट्राइक रेट और 48.16 की औसत से 289 रन बनाए थे। इस बीच उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 89* रन था। फाइनल में उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 38 गेंदों में 53 रन बनाए थे। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने कीवी टीम को 8 विकेट से शिकस्त दी थी।

सैम करन ने टी-20 विश्व कप 2022 में 6 मैचों में 11.38 की औसत और 6.52 की इकॉनमी रेट से 13 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। वह टी-20 विश्व कप के किसी एक संस्करण में इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। उन्होंने फाइनल में सिर्फ 12 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उस संस्करण के फाइनल में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया था।

टी-20 विश्व कप 2024 में बुमराह संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उन्होंने 8 मैच में 8.26 की उम्दा औसत और 4.17 की बेहतरीन इकॉनमी रेट से 15 विकेट लिए थे। टूर्नामेंट में उनसे सबसे ज्यादा विकेट संयुक्त रूप से फजलहक फारूकी (17) और अर्शदीप सिंह (17) ने लिए थे। वहीं, फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराते हुए अपना दूसरा खिताब जीता था।

कमिंस टी20 विश्वकप से बाहर हुए, ड्वार्शियस शामिल

मेलबर्न (ए)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। कमिंस ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण विश्वकप कप से नाम वापस ले लिया है। कमिंस ने कहा कि उनका लक्ष्य आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होना है ताकि वह सभी मैच खेल सकें। इसलिए उन्होंने तय किया कि विश्वकप से बाहर रहना ही ठीक है। कमिंस के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। कमिंस ने कहा, मैं पहले से काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं कुछ सप्ताह तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा। उन्होंने कहा, एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था पर अभी किये एक स्कैन में चिकित्सकों ने पाया कि मुझे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे। ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, तब उसे बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और एकदिवसीय के लिए टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। टीम इसके बाद न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी और फिर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा।

भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने से अपने प्रशंसकों और समर्थकों को देगी पाकिस्तान टीम : कपिल

एक पूरी पीढ़ी ही समाप्त हो जाएगी

नई दिल्ली (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि अगर पाकिस्तान टी20 विश्वकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलता तो उसे ही सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। कपिल के अनुसार इससे पाकिस्तान टीम अपने प्रशंसक और समर्थक खो देगी और उसका क्रिकेट कई साल पीछे चला जाएंगा। कपिल के अनुसार पाक का मैच नहीं खेलने का फैसला उसके क्रिकेटरों की एक पीढ़ी को ही नष्ट कर देगा। उन्होंने कहा, अगर फैसला खिलाड़ियों ने लिया है, तो वे सामने आकर कह सकते हैं पर अगर बोर्ड कहता है कि आप नहीं खेलेंगे, तो ये पाकिस्तान के लिए बर्बादी लाने वाला फैसला होगा। इससे आप एक पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर रहे हैं। अगर आप इन लड़कों को विश्व कप में खेलने नहीं देंगे, तो आप पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर देंगे और खेल को नुकसान पहुंचाएंगे। इस प्रकार आप अपने ही खिलाड़ियों के साथ अन्याय करेंगे। कपिल ने कहा है कि अगर मैच नहीं हुआ तो दर्शक निराश होंगे पर अगर पाक भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने के अपने फैसले पर बना रहा तो वह अपने प्रशंसक भी खो देगा। उन्होंने कहा, इसके बाद लंबे समय में, कोई भी उन्हें याद नहीं करेगा क्योंकि लोग उसने आगे बारे में ज्यादा समय तक नहीं सोचेंगे और आखिर में वे आगे बढ़ जाएंगे।पाकिस्तान सरकार ने रविवार को घोषणा की थी कि पाकिस्तान की टीम टी20 विश्व कप 2026 में खेलेगी पर 15 फरवरी को भारत के खिलाफ मैच में टीम नहीं उतरेगी। यह फैसला पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में लिया है। वहीं कपिल ने कहा कि अगर मैच के बहिष्कार का फैसला पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) करता है, तो इससे पाक की छवि को ही नुकसान होगा और देश के क्रिकेटर बेकार हो जाएंगे। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाक के मैच का बहिष्कार करने के फैसले पर नाराजगी जताते हुए पीसीबी ने जवाब मांगा है।

बीसीसीआई ने टी20 विश्वकप के पहले अभ्यास मैचों के लिए भारत ए टीम घोषित की

मुम्बई (ए.)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्वकप से पहले होने वाले अभ्यास मैच के लिए भारत ए टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम की कप्तानी युवा बल्लेबाज आयुष बडोनी को सौंपी गयी है। वहीं सर्जरी के बाद फिट हुए बल्लेबाज तिलक वर्मा को को भी टीम में शामिल किया गया है। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इससे पहले अभ्यास मुकाबले खेले जाएंगे। भारतीय ए टीम दो अभ्यास मैच खेलेगी। पहला अभ्यास मैच अमेरिका और दूसरा नामीबिया के खिलाफ होगा।तिलक इसी सप्ताह मुंबई में टीम से जुड़ेंगे। सर्जरी के कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर थे। ऐसे में अब उनका लक्ष्य विश्वप कप से पहले अभ्यास मैचों के जरिये लय हासिल करना रहेगा। वहीं टीम की कप्तानी करने वाले आयुष का लक्ष्य भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारत ए टीम में आईपीएल सहित घरेलू क्रिकेट के कई अच्छे खिलाड़ी भी शामिल हैं। इनमें प्रियांश आर्य, मयंक यादव, विप्रज निगम और रियान पराग जैसे खिलाड़ी हैं।

टी-20 विश्व कप: इन गेंदबाजों ने 6 से कम की इकॉनमी रेट से 25+ विकेट लिए

नईदिल्ली,(आरएनएस)। क्रिकेट के खेल में उम्दा बल्लेबाज मैच जिताते हैं और अच्छे गेंदबाज टूर्नामेंट। टी-20 विश्व कप के इतिहास में भी कुछ गेंदबाजों ने अविश्वनीय प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी टीमों को विश्व विजेता बनाया है। 2024 में खेले गए पिछले संस्करण में भारतीय टीम ने खिताब जीता था, जिसमें जसप्रीत बुमराह की अहम भूमिका रही थी। इस बीच टी-20 विश्व कप में उन गेंदबाजों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने 6 से कम की इकॉनमी रेट से 25+ विकेट लिए हैं।

क्रिकइंफो के अनुसार, बुमराह अब तक टी-20 विश्व कप के तीन 3 संस्करणों (2016, 2021 और 2024) में खेल चुके हैं। वह पीठ की चोट के कारण 2022 के संस्करण में नहीं खेल पाए थे। इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने टूर्नामेंट में 18 मैचों में 14.30 की औसत से 26 विकेट लिए हैं। बुमराह का इकॉनमी रेट 5.44 है, जो कम से कम 25 विश्व कप विकेट लेने वाले गेंदबाजों में सबसे अच्छा है।

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने टी-20 विश्व कप में कमाल का प्रदर्शन किया था। उन्होंने इस वैश्विक टूर्नामेंट में 18 मैचों में 12.50 की औसत के साथ 34 विकेट लिए हैं। इस बीच उनकी इकॉनमी रेट 5.93 की रही थी। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 13 रन देते हुए 4 विकेट लेना रहा। वह विश्व कप के इतिहास में टिम साउथी (36) के बाद न्यूजीलैंड के लिए दूसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

सवा महिना बाद शुरू हुए विवाह लग्न पर विशेष

सैंकडों परिवारों ने विवाह की पत्रिका देकर आंमत्रित किया है मां नर्मदा को

शादी का पहला आमंत्रण मां नर्मदा के चरणों में फिर किसी ओर को , आशीर्वाद देने पहुंचती हैं मां करती हैं विघ्न बाधा दूर

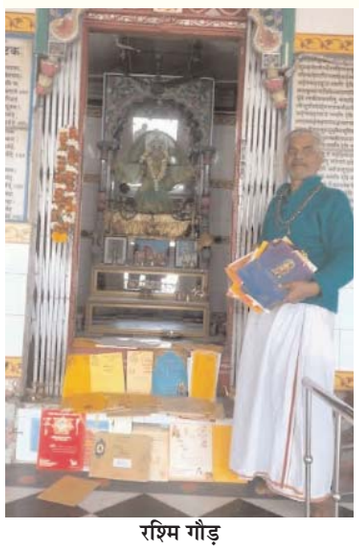

रश्मि गौड़

डोलरिया। नर्मदापुरम। धार्मिक मान्यता है कि देवी देवता भाव के भूखे होते हैं। आस्थावान श्रद्धालु अपने घर के हंसी खुशी के मौके पर देवी देवताओं को आमंत्रित करते हैं। खासकर विवाह के समय जब वैवाहिक पत्रिका का वितरण शुरू किया जाता है तो सभी श्रद्धालु अपने देवी देवताओं से शादी का कार्ड देना शुरू करते हैं। देश की पवित्र व मप्र की जीवनदायनी मां नर्मदा के प्रति नर्मदांचल के श्रद्धालुओं की इतनी अधिक आस्था है कि किसी भी मांगलिक कार्य का पहला आमंत्रण कार्ड मां नर्मदा को जरूर दिया जाता है। बीते सवा माह से वैवाहिक कार्यक्रम नहीं हो रहे थे। खरमास समाप्त होने के बाद जैसे ही विवाह की जैसे ही लग्न शुरू हुई इस लग्न पर कई परिवारों में विवाह होने जा रहे हैं। नर्मदा मंदिर में पिछले सप्ताह से विवाह पत्रिका देने वालों का तांता लगा हुआ है। कुछ ही दिन में सौ से अधिक वैवाहिक कार्ड आ चुके हैं। पूरे क्षेत्र के लोगों की मां नर्मदा के प्रति विशेष आस्था व विश्वास है इसलिए हर शुभ की शुरूआत करने से पहले लोग मां नर्मदा को निमंत्रित करना नहीं भूलते। मां के मंदिर में सैंकडों कार्ड आते हैं। मां नर्मदा भी अदृश्य रूप में वैवाहिक कार्यक्रम वाले परिवारों के घर में पहुंच कर आशीर्वाद देती हैं। तभी तो लोग श्रद्धाभाव से उन्हें बुलाना नहीं भूलते हैं।

125 वर्ष से अधिक प्राचीन है मां नर्मदा मंदिर

मंदिर के अर्चक आचार्य पं भालचंद खडुर बताते हैं कि उनके पितामह यहां पर पूजन करते रहे हैं। अब चौथी पीढ़ी पूजन अर्चन कर रही है। करीब दो सौ वर्ष पूर्व जब सेठानी घाट का निर्माण हुआ है उसके बाद इस मंदिर का निर्माण हुआ है। 125 से अधिक वर्ष प्राचीन मंदिर है। जिससे पूरे क्षेत्र के लोगों की आस्था जुड़ी है।

मां नर्मदा करती है रक्षा

पं खडुर का कहना है कि मां नर्मदा के प्रति लोगों में सच्ची आस्था है। इसी कारण पूरे क्षेत्र के लोग जब उनके यहां पर किसी भी तरह का मंगल कार्य हो वैवाहिक कार्यक्रम हो मां नर्मदा को आमंत्रण करना नहीं भूलते हैं। मां नर्मदा भी उनके परिवार की रक्षा करती है। वर्ष में हजारों की संख्या में विवाह पत्रिका एकत्रित हो जाती है।

नहीं आती विघ्न बाधा

उन्होंने कहा कि श्रद्धालु मां नर्मदा को पूरी आत्मीयता से निमंत्रित करते हैं। श्रद्धालु बताते हैं कि मां नर्मदा उन पर कृपा करती हैं। उनके मांगलिक कार्य में किसी प्रकार की विघ्न बाधा नहीं आती है। पं खडुर ने बताया कि सिर्फ विवाह कार्यक्रम ही नहीं अन्य कार्यक्रमों के भी आमंत्रण पत्रों का ढेर लग जाता है।

जनसुनवाई में 86 आवेदनों पर हुई सुनवाई, अतिक्रमण, विद्युत सुरक्षा, सीमांकन जैसे अन्य राजस्व मामलों से संबंधित आवेदन हुए प्राप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन अध्यक्षता मे जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सीईओ श्री जैन ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए 86 आवेदनों पर सुनवाई कर उनका निराकरण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम डोलरिया निवासी सेवंती बाई ने जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान कराये जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर श्री जैन ने जनपद पंचायत अधिकारी को नियमानुसार योजना का लाभ प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। अन्य मामले मे आवेदनकर्ता आशुतोष बाजपेयी ने उनकी नर्मदापुरम स्थित आवासीय भूमि का नामांतरण कराने के लिए आवेदन दिया। जिस पर श्री जैन ने संबंधित तहसीलदार को जांच कर शीघ्र नामांतरण करने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार ग्राम पथोड़ी निवासी कुलदीप बाकले घर के सामने दूषित पानी के निकासी के लिए सड़क पर पक्की नाली निर्माण कराने के लिए आवेदन दिया, जिस पर सम्बंधित अधिकारी को समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई मे आए पेंशन, सीमांकन, अतिक्रमण, विधुत, राजस्व सम्बन्धि आवेदनों पर सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया गया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज परिहार सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

कांग्रेस की वार्ड कमेटी गठित

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा वार्ड कमेटी गठन की प्रकिया आज से प्रारम्भ की गई प्रथम दिवस वार्ड 10एवं 11 की बैठक जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय की उपस्थिति में आयोजित की गई बैठक में वार्ड 10 में लखन यादव एवं वार्ड 11 में संतोष अहिरवार को सर्वसम्मती से अध्यक्ष चुना गया इस अवसर पर नगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी अनोखी राजोरिया संतोष तोमर सलीम खान जागेश यादव प्रकाश यादव विजय यादव जयराज आर्य अम्बिका राजपूत विजेंद्र राजपूत गुलाम हैदर सहित अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

दोपहर के समय मौसम में होने लगी गर्माहट धीरे-धीरे बढ़ने लगा तापमान

नर्मदापुरम (निप्र)। बीते सप्ताह तक मौसम में लगातार ठंडक बढ़ती रही। अब धीरे-धीरे मौसम में बदलाव नजर आने लगा है। दिन में धूप का असर होने से ठंड से राहत मिलने लगी है। दिन में जरूर धूप रहने से मौसम गर्म रहा लेकिन शाम होते ही तथा हल्की हवा का रूख होने से ठंड का असर तेज बना हुआ है। रात और दिन के तापमान में अंतर आने लगा है। सोमवार को ही दिन में ठंड का असर कम हो गया था। लेकिन रात में ठंड का असर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी क्षेत्र से आ रही ठंडी हवाओं के कारण मौसम में उतार चढ़ाव बना हुआ है। अभी ठंड का असर तेज रहेगा। हवा के रूख के साथ बादल होने तथा हल्की बूंदाबांदी के भी आसार बन रहे हैं।

दस्तक अभियान का दूसरा चरण 17 फरवरी से, 01 लाख 44 हजार 209 बच्चों की होगी स्वास्थ्य जाँच

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सेवाएँ प्रदान करने के लिये दस्तक अभियान का दूसरा चरण 17 फरवरी से 19 मार्च 2026 तक आयोजित हो रहा है। इस अभियान में 0 से 5 वर्ष के लगभग 01 लाख 44 हजार 209 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। जिसकी सम्पूर्ण तैयारी हेतु जिला प्रशिक्षण केन्द्र नर्मदापुरम में सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गेहलोत की अध्यक्षता में जिला कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें डीएचओ डॉ. सृजन सेंगर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. संदीप केरकेटटा, जिला मीडिया प्रभारी सुनील साहू, डीपीएम कविता भोई, डीसीएम, सीबीएमओ, बीएमओ, बीईई, बीपीएम, बीसीएम, सुपरवाइजर महिला बाल विकास विभाग, एलएचव्ही, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर को एम्स भोपाल से समन्वयक मनोज चौहान ने दस्तक अभियान संबंधी विस्तृत प्रशिक्षण दिया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहलः ड्राइविंग प्रशिक्षण उपरांत लाइसेंस बनाए गए

नर्मदापुरम (निप्र)। महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में इटारसी स्थित नई दिशाएँ नारी विकास समिति द्वारा सराहनीय पहल की गई है। संस्था द्वारा लगभग 52 महिलाओं को 45 दिवसीय नि:शुल्क चार पहिया वाहन संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) श्रीमती रिंकू शर्मा द्वारा सभी प्रशिक्षित महिला चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग के महत्वपूर्ण गुर सिखाए गए। इस दौरान मोटर व्हीकल एक्ट से संबंधित प्रावधानों, सड़क सुरक्षा नियमों तथा यातायात नियमों के उल्लंघन पर की जाने वाली चालानी कार्रवाई के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

भवानीपुरम खरखेड़ी में भक्ति भाव से जारी है श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

कथा सुनने पहुंच रहे हैं ग्रामीण अंचल से श्रद्धालु

नर्मदापुरम (निप्र)। मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित भवानीपुरम खरखेड़ी में समाजसेवी गौर परिवार के द्वारका प्रसाद गौर के निज निवास पर मां नर्मदा की असीम कृपा और बुजुर्गों के शुभाशीष से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन जारी है। कन्हैया लाल गौर ने बताया कि कथा वाचक आचार्य पं रघुनंदन शर्मा जी चौतलाए वाले व्यासगादी से भगवान के गुणानुवाद का वाचन दोपहर 1 से सायं 4 बजे तक ककर रहे हैं। कथा सुनने के लिए आसपास ग्रामीण् अंचल से श्रद्धालु पहुंच कर पुण्य लाभ ले रहे हैं। कुमरिया परिवार ने सभी श्रद्धालुओं से इस पुण्य धार्मिक अनुष्ठान में सपरिवार शामिल होने का आग्रह किया है। कथा का विश्राम व भंडारे का आयोजन 8 फरवरी रविवार को होगा। कुमरिया परिवार ने अवगत कराया है कि पैरावनी पूर्णतः बंद रहेगी।

महाशिवरात्रि मेला पचमढ़ी वर्ष 2026

चिकित्सा व्यवस्था हेतु चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टाफ/एंबुलेंस वाहन चालक की लगाई गई ड्यूटी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना महादेव मेला समिति के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्मदापुरम द्वारा महाशिवरात्रि मेला पचमढ़ी वर्ष 2026 के आयोजन के लिए विभिन्न पाइंटो पर चिकित्सा व्यवस्था हेतु चिकित्सक / पैरामेडिकल स्टाफ / एंबुलेंस वाहन चालक सहित की डियुटी 5 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक लगाई गई है। डॉ. रिचा कटकवार, खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामु0स्वा0 केन्द्र पिपरिया को मेला प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। मेले में स्वास्थ्य व्यवस्था एवं पर्याप्त मात्रा में जीवन रक्षक औषधियां उपलब्ध कराने, चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉफ की प्रतिदिन मॉनीटरिंग करने की पूर्ण जिम्मेदारी मेला प्रभारी अधिकारी की रहेगी। मेला अवधि में किसी भी प्रकार का अवकाश मान्य नहीं होगा, अनुपस्थित रहने की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध शासकीय नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

शहरी निकायों को सुदृढ़ बनाने की हुंकार, सांसद माया नारोलिया ने की समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया की मांग

दिल्ली संसदीय समिति की बैठक में श्रीमती नारोलिया ने उठाई नगर निगमों में रिक्त पद भरने की आवाज

नर्मदापुरम। नई दिल्ली (निप्र)। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने मंगलवार को संसद भवन एनेक्सी ईपीएचए नई दिल्ली में आयोजित आवास एवं शहरी कार्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक में बतौर सदस्य उपस्थित रही। बैठक की अध्यक्षता मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी ने की। बैठक में शहरी स्थानीय निकायों यूएलबीएस में राजस्व सृजन, बजट प्रबंधन तथा प्रशासनिक क्षमता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। राज्यसभा सांसद श्रीमती नारोलिया ने विभिन्न राज्यों के शहरी स्थानीय निकायों में मानव संसाधन की गंभीर कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि कई राज्यों में ग्रुप एबी एवं सी के स्वीकृत पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं, जिससे शहरी विकास योजनाओं की योजना निर्माण, क्रियान्वयन और निगरानी की प्रक्रिया प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रही है। राज्यसभा सांसद श्रीमती नारोलिया ने समिति के समक्ष आग्रह किया कि नगर प्रशासन को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। साथ ही शहरी निकायों में न्यूनतम स्टाफिंग मानकों को लागू करने तथा क्षमता निर्माण और संस्थागत सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सशक्त मानव संसाधन के बिना शहरी विकास के लक्ष्यों को समय पर और प्रभावी ढंग से प्राप्त करना संभव नहीं है।

सभी कलेक्टर्स रोजगार उद्योग निवेश संबंधी बिंदुओं की समीक्षा करे : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

सभी कलेक्टर्स पीएम विश्वकर्मा योजना को पहली प्राथमिकता में रखें, स्वास्थ्य के 12 पैरामीटर की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाए

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर को निर्देश दिए की कलेक्टर कान्फ्रेंस अक्टूबर 2025 की कार्रवाई विवरण में उल्लेखित थीम रोजगार उद्योग एवं निवेश के संबंध में सभी कलेक्टर्स आवश्यक कार्रवाई करें एवं रोजगार उद्योग और निवेश में उल्लेखनीय प्रगति लाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि फूड प्रोसेसिंग धार्मिक क्षेत्र पर्यटन के क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगारो का सृजन किया जाए, एक जिला एक उत्पादन के तहत जिले के प्रोडक्ट को पर्याप्त मार्केटिंग मिले, उत्पादन का पर्याप्त प्रचार प्रसार किया जाए साथ ही लघु एवं कुटीर उद्योग को प्राथमिकता देते हुए इसमें निवेश एवं रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि डीएलसीसी एवं डीएलआरसी की बैठक प्रति माह नियमित रूप से आयोजित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए की बंद पड़े उद्योगों की भूमि का भी अन्य शासकीय प्रयोजन में उपयोग किया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की कौशल विकास की जिला स्तरीय समिति की बैठक भी नियमित रूप से आयोजित की जाए साथ ही उद्योगों की स्थापना के लिए यदि शासकीय भूमि की आवश्यकता होती है तो भू अर्जन की प्रक्रिया भी समय पर पूरी की जाए। कमिश्नर ने नर्मदापुरम बैतूल एवं हरदा के कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना को टॉप प्राथमिकता में रखते हुए सभी बैंकर्स को निर्देश दें कि वे हितग्राहियों के ऋण प्रकरण प्राथमिकता से स्वीकृत करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि युवाओं को स्वरोजगारों के लिए ऋण की राशि बैंक से समय सीमा में प्राप्त हो जाए। कमिश्नर ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए और कहां की इस योजना के तहत शासन द्वारा दिए गए सभी लक्ष्य की पूर्ति समय सीमा में कर ली जाए। कमिश्नर ने कलेक्टर कान्फ्रेंस की कार्रवाई विवरण में उल्लेखित थीम स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित 22 पैरामीटर जिनमें पांच पैरामीटर महिला एवं बाल विकास से संबंधित है कि नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतिदिन इन 22 पैरामीटर की मॉनिटर करें और इन 22 पैरामीटर में उल्लेखित प्रगति से प्रतिदिन कलेक्टर को अवगत कराए।

कलेक्टर भी निरंतर मॉनिटरिंग कर इन क्षेत्रों में विशेष प्रगति लाकर जिले की रैंकिंग में आवश्यक सुधार करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की 03 से 06 आयु के बच्चे माह में कम से कम 21 दिन आंगनवाड़ी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराए। बताया गया की नर्मदापुरम जिले में लगभग 82 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का पंजीयन किया गया है और उन सभी बच्चों को स्वास्थ बच्चों की श्रेणी में लाने के लिए उनको पर्याप्त पोषण आहार देकर उनके स्वास्थ्य की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। कमिश्नर श्री तिवारी ने बैंक आधारित विभिन्न विभाग जैसे कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी, एमएसएमई, जनजातिय कार्य विभाग, अनुसूचित जाति विकास निगम, नगरीय प्रशासन विभाग की हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा की।

कोटपा एक्ट के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु जिला प्रवर्तन दस्ते का प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। तम्बाकू मुक्त समाज की दिशा में जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को कोटपा एक्ट के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु जिला प्रवर्तन दस्ते का एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के दिशानिर्देश और सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गेहलोत के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में जिला नोडल अधिकारी डॉ. रजनी कुशवाहा ने पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित सदस्यों को कोटपा अधिनियम-2003 के तहत गठित जिला प्रवर्तन दस्ते की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला में पुलिस, स्वास्थ्य, खाद्य, शिक्षा, जिला पंचायत विभाग के अधिकारियों को तम्बाकू नियंत्रण कानूनों, चालान प्रक्रिया और प्रवर्तन के दौरान अपनाई जाने वाली समस्त कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया। युवा तंबाकू नियंत्रण अभियान 3.0 के तहत युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाव के लिये प्रवर्तन दल द्वारा क्षेत्रों का निरीक्षण किया जायेगा। वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देश दिये हैं कि दस्ते द्वारा नियमित छापेमारी की जाये तथा उल्लंघन कर्ताओं के विरूद्ध तम्बाकू नियंत्रण से दिशानिर्देशों के अनुसार तत्काल कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की जाये। प्रशिक्षण में जिला मीडिया प्रभारी स्वास्थ्य सुनील साहू, खाद्य निरीक्षण श्री राणा, एएसआई गौरीशंकर सिंह, जिला पंचायत से पीओ प्रीति वरकडे, शिक्षा विभाग से राजेन्द्र प्रसाद नामदेव प्रतिभागी रहे। पिछले माह जिला मुख्यालय नर्मदापुरम सहित इटारसी एवं माखननगर में जिला प्रवर्तन दस्ते द्वारा कोटपा एक्ट के अंतर्गत नागरिकों में जन जागरूकता लाने हेतु तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभाव बताये गये तथा उल्लंघन कर्ताओ के खिलाफ चालानी कार्यवाही की गई।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com